संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -202 गुरूवार ,25 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

संसद की नई बिल्डिंग के उद्घाटन पर सियासी जंग तेज

» नए संसद भवन के उद्घाटन पर आजाद ने विपक्ष को दिखाया आईना,

» नरसिम्हा राव लाए थे प्रस्ताव, अब बनना अच्छी बात

नई दिल्ली,24 मई 2023(ए)। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर देशभर में चल रहे सियासी रार पर गुलाम नबी आजाद ने विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने नए संसद भवन के निर्माण को सराहा है और कहा कि नए संसद भवन का निर्माण होना, अच्छी बात है।

विपक्ष के बहिष्कार पर आजाद ने क्यों कसा तंज?

विपक्ष के बहिष्कार पर उनकी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, जहां तक नए संसद भवन का संबंध है, मुझे इस पर टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है कि कौन सी पार्टी नए भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लेती है और कौन इसका बहिष्कार करती है।÷ आजाद ने कहा, ÷मैं इस पर कुछ नहीं कहूंगा। यह संसद में उन लोगों पर निर्भर है कि वे इसमें भाग लें या इसका बहिष्कार करें।

नरसिम्हा राव को लेकर क्या बोले आजाद?

गुलाम नबी आजाद ने कहा, 1991-92 में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के कार्यकाल के दौरान एक नया संसद भवन बनाने का विचार सामने आया था, जिस दौरान शिवराज पाटिल (लोकसभा) के अध्यक्ष और मैं संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में कार्य कर रहा था। आजाद ने उस समय कहा था, हमने प्रधानमंत्री के साथ एक नए और बड़े संसद भवन के निर्माण की आवश्यकता पर चर्चा की

नई संसद पर सरकार को मिला गुलाम नबी का साथ

आजाद ने कहा, विभिन्न कारणों से उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था, लेकिन अब एक नए संसद भवन का निर्माण किया गया है, और यह एक अच्छी बात है।

विपक्षी दलों ने उद्घाटन समारोह का क्यों किया बहिष्कार?

कांग्रेस सहित 19 विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने की घोषणा की है। वहीं, गुलाम नबी आजाद ने पिछले साल कांग्रेस के साथ अपने करीब पांच दशक लंबे संबंध को खत्म किया था। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने के बाद, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी का गठन किया था।

कई राजनीतिक दल अभी से नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि अब तक 19 दलों ने 28 मई को दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार का फैसला लिया है।

19 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के लिए एक संयुक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा-जब लोकतंत्र की आत्मा को संसद से ही बाहर निकाल दिया गया है, ऐसे में नए भवन की कोई अहमियत नहीं है।

अबतक 19 दलों ने किया बहिष्कार का एलान,कौन सी पार्टियां हैं शामिल

उद्धव ठाकरे गुट करेगा नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार

उद्धव ठाकरे गुट भी नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगा। संजय राउत ने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया है और हम भी ऐसा ही करेंगे।इसके अलावा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम भी नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगी। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। पार्टी के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ये दल हैं बहिष्कार में शामिल?

नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार करने वाले दलों में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल , उद्धव ठाकरे गुट, डीएमके, एनसीपी, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, सीपीआई, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरला कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल, टीएमसी, जेडीयू,सीपीआई (रू), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत आरएसपी शामिल हैं।

कांग्रेस करे तो हम क्यों न करें

डॉ. राजकुमार मिश्र-

तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद को भी तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कोई महत्वपूर्ण उद्घाटन और शिलान्यास नहीं करने दिया था। इतना ही नही कांग्रेस ने देश के किसी एक भी विधान सभा भवन का उद्घाटन गवर्नर से नही करवाया था।वैसे भी प्रधान मंत्री मोदीजी नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन करेंगे न कि संसद सत्र का। ऐसे उद्घाटन इंदिराजी और राजीव गांधी ने भी किए थे।

सुधांशू त्रिवेदी
भाजपा प्रवक्ता

सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल अंतरिम जमानत याचिकाएं वापस लीं

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा, यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की पत्नी की हालत में सुधार हुआ है और अब स्थिर है,अंतरिम आवेदनों को वापस ले लिया

नई दिल्ली,24 मई 2023 (ए)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन आरोपों से संबंधित सीबीआई और ईडी की जांच से जुड़े मामलों में दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी अंतरिम जमानत याचिकाएं बुधवार को वापस ले लीं। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा, यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की पत्नी की हालत में सुधार हुआ है और अब स्थिर है, अंतरिम आवेदनों को वापस ले लिया गया है।

आप के वरिष्ठ नेता ने अपनी पत्नी की बीमारी के आधार पर मामले में अंतरिम जमानत के लिए 3 अप्रैल को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

इसी एकल-न्यायाधीश की पीठ ने 11 मई को जेल अधीक्षक को निर्देश दिया था कि याचिका के निष्पादन तक जेल के नियमों के दायरे में सिसोदिया को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा प्रदान की जाए ताकि वह हर दूसरे दिन दोपहर 3-4 बजे के बीच अपनी पत्नी से बात कर सकें।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि उन्होंने पहले याचिका खारिज करने की मांग की थी क्योंकि आवेदन में यह उल्लेख नहीं किया गया था कि पत्नी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

उन्होंने कहा कि खारिज किए जाने के डर से आवेदन वापस लिए जा रहे हैं। राजू ने कहा, याचिका सामान्य रूप से वापस नहीं ली गई है।

हालांकि, अदालत ने कहा कि इस तरह के किसी भी विवाद में जाए बिना आवेदन को वापस लिया गया मानते हुए खारिज किया जाता है।

सिसोदिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने धन शोधन मामले में अपने मुवक्किल की नियमित जमानत याचिका पर दलीलें फिर से शुरू करते हुए कहा कि सामान्य नियम यह है कि जमानत दी जानी है।

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 1 जून तक बढ़ा दी।

जेल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अध्ययन के उद्देश्य से उन्हें एक कुर्सी और मेज प्रदान करने के उनके अनुरोध पर विचार करे। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जिस मामले की जांच की जा रही है उसमें अदालत ने 12 मई को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 2 जून तक बढ़ा दी थी।

इस साल 26 फरवरी को सीबीआई द्वारा सिसोदिया को गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने नौ मार्च को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

पिछले महीने, विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने आप नेता को यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया था कि प्रथम दृष्ट्या सबूत अपराध` उनकी संलिप्तता के बारे में बहुत कुछ कहते हैं।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन मांगने

उद्धव ठाकरे से मिले सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली,24 मई 2023 (ए)। दिल्ली सरकार और एलजी के बीच खींचतान की खबरें लगातार सुर्खियों में रहती है। दिल्ली में नौकरशाहों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार एलजी को दिए जाने के केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ बवाल मचा हुआ है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अब विपक्षी नेताओं के समर्थन के लिए प्रयास कर रहे हैं।

इसी सिलसिले में आज दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। वह 25 मई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात करेंगे। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए केजरीवाल विपक्षी नेताओं से मिलने के लिए देश भर के दौरे पर हैं। राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर दिल्ली सरकार को शक्ति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के केंद्र ने उलट दिया था।

शराब नीति घोटाला मामला

आप सांसद संजय सिंह के सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली,24 मई 2023(ए)। ईडी ने दिल्ली की आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी के नेता एवं सांसद संजय सिंह के कुछ सहयोगियों के परिसरों सहित कई ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। 'आप' नेता ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश साझा करते हुए कहा कि उनके दो सहयोगियों के परिसरों पर संघीय एजेंसी छापेमारी कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि चार-पांच स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की जा रही है। मामला अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण एवं कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सिफारिश की थी। इसके बाद ईडी ने भी पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। ईडी और सीबीआई का आरोप है कि दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के तहत शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए गुटबंदी की गई और कुछ कारोबारियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया, जिन्होंने इसके लिए रिश्वत दी थी। हालांकि आप ने इन आरोपों का खंडन किया है।

एनएसए अधिकारियों ने असम के डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल से की पूछताछ

गुवाहाटी ,24 मई 2023 (ए)।। खालिस्तान समर्थक नेता और 'वारिस पंजाब डे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह से राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) के अधिकारियों ने असम की डिब्रूगढ़ जेल में पूछताछ की। पंजाब के मोगा के रोड गांव से पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद से सिंह 23 अप्रैल से डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एनएसए के अधिकारी मंगलवार को डिब्रूगढ़ पहुंचे और सिंह से दो घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। इस बीच, डिब्रूगढ़ जेल में बंद सिंह के अन्य नौ सहयोगियों से भी एनएसए अधिकारियों ने पूछताछ की। एक वरिष्ठ

पुलिस अधिकारी ने बुधवार को कहा कि सिंह से अलग से पूछताछ की गई। बाद में उसके सहयोगियों से पूछताछ की गई। पिछले हफ्ते अमृतपाल सिंह के माता-पिता-तरसेन सिंह और बलविंदर कौर-ने उससे जेल में मुलाकात की थी। इससे पहले चार मई को अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणपाल कौर ने भी उससे जेल में मुलाकात की थी। किरणपाल के साथ एक अन्य कैदी और अमृतपाल के सहयोगी दलजीत सिंह कलसी के परिवार के सदस्य भी थे। अमृतपाल सिंह के करीबी पापलप्रीत और चाचा हरजीत सिंह सहित नौ अन्य सहयोगी मार्च से डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली,24 मई 2023(ए)। अंतरिम जमानत के बाद तीन साल से फरार चल रहे कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य को मुठभेड़ के बाद दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान योगेश उर्फ गोघा के रूप में हुई है, जो पहले हत्या के प्रयास, डकैती, आपराधिक धमकी और आर्म्स एक्ट सहित 16 आपराधिक मामलों में शामिल था, जो दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दर्ज थे।

पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) आलोक कुमार ने कहा कि फरार गैंगस्टर के उत्तर-पश्चिम और बाहरी दिल्ली इलाके में मौजूद होने की सूचना मिली थी। डीसीपी ने कहा, उसकी गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटाई गई और दो महीने से अधिक के लगातार प्रयासों के बाद सोमवार को

ब्रिटानिया चौक फ्लाईओवर के पास एक जाल बिछाया गया और योगेश को उसकी ओर जाते हुए देखा गया।

हालांकि, जब उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तो योगेश ने पिस्तौल निकाली और पुलिस टीम की ओर फायरिंग कर दी। शीर्ष अधिकारी ने कहा, टीम के सदस्यों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और आरोपी को काबू कर लिया और उसे निर्वस्त्र कर दिया। उसके कब्जे से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और दो गोलियां बरामद की गईं। पूछताछ में पता चला कि योगेश नरेला थाने का 'एक्टिव बैड कैरेक्टर' है।आरोपी को 2019 में हत्या के प्रयास के एक मामले में चार साल की कैद की भी सजा सुनाई गई थी और जून 2020 में 45 दिनों की अंतरिम जमानत दी गई थी। उसके बाद वह फरार हो गया। डीसीपी ने कहा, उसने यह भी खुलासा किया है कि वह लॉरेंस बिश्नोई-जितेंद्र गोगी गिरोह का एक सक्रिय सदस्य है और रसद और वित्तीय मदद प्रदान करता है। वह एक मुकेश उर्फ पुनीत का सहयोगी है, जो इस सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य भी है।

तेलंगाना के विधायक टी राजा के खिलाफ भड़काऊ भाषण का मामला दर्ज

कोटा ,24 मई 2023(ए)। राजस्थान में कोटा के कुन्हाड़ी थाना पुलिस ने तेलंगाना के रा'य के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से विधायक टी राजा के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का मुकदमा दर्ज किया है। विधायक टी राजा के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में यह मुकदमा पुलिस ने स्वत प्रसंज्ञान लेकर दर्ज किया है और कुन्हाड़ी के थाना प्रभारी गंगा सहाय शर्मा ने अपनी ओर से कुन्हाड़ी थाने में यह मुकदमा दर्ज करवाया है। चूंकि यह मुकदमा विधायक के खिलाफ है इसलिए केस की जांच सीबीसीआईडी को सौंपी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलंगाना रा'य के गोशामहल क्षेत्र से विधायक टी राजा महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजित होने वाले समारोहों के सिलसिले में आमंत्रण पर कोटा आए थे। उन्होंने सोमवार को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर कोटा के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में आयोजित एक सभा में एक समुदाय विशेष के खिलाफ जमकर भाषण दिया था और इसी को आधार बनाकर पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश के तहत मुकदमा दर्ज किया है जिसमें कहा गया है कि टी राजा की ओर से दिए गए भाषण की शब्दावली शांति एवं सद्भाव को बिगाड़ने वाली है इसलिए इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीयूष जैन के घर से 23 किलो सोना जब्त

लखनऊ,24 मई 2023(ए)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर से प्राप्त हुए 23 किलो सोना को भारत सरकार ने बरामद कर लिया है। डीआरआई के अधिवक्ता अमरीश टंडन के मुताबिक, पीयूष इस सोने का कोई भी वैधानिक स्रोत नहीं बता सका है। इसलिए अदालत में भी केस चलता रहेगा। कन्नौज के इत्र कारोबारी पर कस्टम विभाग ने 60 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। 30 लाख रुपए पीयूष जैन पर जबकि 30 लाख उसकी कंपनी ओडोचेम इंडस्ट्रीज पर लगाया गया है।

वही इस कंपनी में पीयूष जैन साझेदार है। साथ ही पीयूष जैन को इस सोने पर 4।38 करोड़ रुपये की कस्टम ड्यूटी चुकानी होगी।

ऑनलाइन गेमिंग में पैसा जीतने पर अब कटेगा टैक्स

सीबीडीटी ने कंपनियों को निर्देश किए जारी

नई दिल्ली,24 मई 2023(ए)। गेम से पैसा कमाने वालों को अब नए निर्देश जारी किए गए है। इनकम टैक्स विभाग के केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को गेमिंग में पैसा जीतने को लेकर नए टैक्स नियम लागू करने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने अपने निर्देश में कहा कि ऑनलाइन गेम में प्राइज मनी 100 रुपये से कम रहने पर गेमिंग प्लेटफार्म को स्रोत पर टैक्स कटौती (टीडीएस) की जरूरत नहीं है। साथ ही ऑनलाइन गेमिंग में जीती गई राशि की गणना, कुल जमा राशि को घटाने के बाद की जाएगी। बता दें कि फिलहाल ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर एक प्लेयर से नेट विनिंग का ×0 प्रतिशत टैक्स लगाया जाता है।

बोर्ड ने अपने निर्देश में कहा कि हालांकि, बोनस या प्रोत्साहन पर टैक्स नहीं लगेगा अगर उनका दावा नहीं किया जाता है या वापस नहीं लिया जाता है। वहीं नेट विनिंग की गणना अकाउंट में जमा की कुल राशि और वर्ष की शुरुआत में शेष राशि से ग्राहक द्वारा निकाली गई राशि को घटाकर की जाएगी। सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग टैक्स में संशोधन कर दिया है और इसे 1 जुलाई 202× से लागू किया जाएगा। सरकार ने इसके लिए आयकर नियम, 1962 में संशोधन कर नई धारा 194 बीए को शामिल किया है। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऑनलाइन गेम काफी पॉपुलर हैं और प्लेयर्स इनसे मोटी कमाई भी करते हैं। यानी सरकार इसे पूरी तरह से इनकम टैक्स के दायरे में लाना चाहती है।

इन यूजर्स को नहीं देना होगा टैक्स

इन सब के बीच गेमिंग यूजर्स के लिए राहत भी दी गई है। यूजर्स के एक महीने में 100 रुपये से कम की राशि जीतने पर टैक्स नहीं लिया जाएगा। साथ ही कंपनी द्वारा दिए गए बोनस या रेफरल द्वारा दिए गए पैसे पर तब तक कोई टैक्स नहीं देना होगा जब तक की प्लेयर्स उसे गेम में लगाना जारी रखता है और उसे बाहर नहीं निकालता है। वहीं यूजर्स के गेम के लिए जमा किए गए पैसे पर भी टैक्स नहीं लगेगा।

बता दें कि इससे पहले दिसंबर 2022 में, यह बताया गया था कि रा'यों के वित्त मंत्रियों के एक पैनल ने अभी तक फलते-फूलते ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र के कराधान पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है, जो कि लेवी कैसे लगाई जानी चाहिए, इस पर अंतिम निर्णय के लिए महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

गारंटियां ठीक हैं,लेकिन...

विकसित होने की महत्त्वाकांक्षा रखने वाली किसी व्यवस्था में आवश्यकता लोगों को सक्षम बनाने की होती है। भारत में भी आजादी के बाद हुआ यह सीमित प्रयोग सफल रहा था। लेकिन पिछले तीन-चार दशकों में उलटी गंगा बह पड़ी है।

कांग्रेस ने अपने चुनावी वायदे के मुताबिक सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में पांच गारंटियां पर अमल की मंजूरी दे दी। यह निर्विवाद है कि इन गारंटियों से समाज एक बड़े तबके- खास कर महिलाओं को ऐसी सहायता मिलेगी, जिसकी इस समय बहुत जरूरत है। ऐसे उपायों को रेवड़ी कहकर उनका मजाक उड़ाना असल में आम जन के प्रति बैठे गहरे पूर्वाग्रहों और अपमान भाव की अभिव्यक्ति है। जिस समय हर सामाजिक सुरक्षा से संबंधित हर सेवा का व्यापारीकरण कर दिया गया है और पूरी अर्थनीति एकाधिकार जमा चुके पूंजीपतियों के हित में ढाल दी गई है, तात्कालिक राहत के तौर पर ऐसे उपायों की जरूरत बढ़ गई है। इसके बावजूद इन उपायों के जरिए राहत पहुंचाने की सोच पर बहस की आवश्यकता है। संसाधन का सवाल अप्रसांगिक नहीं है। यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि अगर जन-कल्याण के लिए कोई सरकार जितने संसाधन बचा या जुटा सकती है, अगर उन्हें फौरी राहत पर ही खर्च कर दिया जाए, तो समाज की जड़ों के निर्माण तथा दीर्घकालिक विसा की बुनियाद को मजबूत करने के कार्यक्रमों के लिए धन कहां से आएगा?

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बुनियाद मजबूत करने वाले उपाय या योजनाएं आज चर्चा से ही बाहर हो गई हैं। जिस समय देश में हर सात में एक प्राइमरी स्कूल सिर्फ एक शिक्षक से चल रहा हो, तो यह सवाल कितना महत्त्वपूर्ण है, यह खुद जाहिर हो जाता है। कोरोना महामारी के समय संपूर्ण मुफ्त टीकाकरण की नीति छोड़ कर जिस तरह साधन संपन्न लोगों के लिए पैसा देकर आराम से वैक्सीन लगवाने की सुविधा दी गई हो, वह असल में देश में स्वास्थ्य व्यवस्था में बढ़े विभेदीकरण की मिसाल थी। इसी तरह सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर की सेवा साधन संपन्न लोगों के लिए सीमित करने की नीति भी देश के समग्र विकास में बाधक बनी हुई है। अगर ऐसी परिस्थितियां ना हों, तो संभवतः तात्कालिक राहत की जरूरत ही नहीं रहेगी। विकसित होने की महत्त्वाकांक्षा रखने वाली किसी व्यवस्था में आवश्यकता लोगों को सक्षम बनाने की होती है। भारत में भी आजादी के बाद हुआ यह सीमित प्रयोग सफल रहा था। लेकिन पिछले तीन-चार दशकों में उलटी गंगा बह पड़ी है।

नवतपा

घाम जेठ के महिना हे गोंदली खिसा म धरहुं
नवदिन कसके तपहि देख ताकके निकलहुं
नवतपा ह लग गे तस्मा पंछा पहिरहुं
तात-तात झांझ झंकोरा लु ले बचके रईहुं
मुड़ी कान ल बांधके घोर गली म किंजरहुं
ठंडा ठंडा करसा पानी पीए बर कमि झन करहुं
नवतपा ले बचे बर खोंदरा छंईया म खुसरहुं
खोर्रा गोड़ रेंगहुं त चट चट भोंभरा जरहुं!!

सोनु नेताम माया
रुद्री नवागांव
धमतरी
छत्तीसगढ़

ये राहें इतनी आसान नहीं

ये राहें इतनी आसान नहीं हैं यहाँ,
चलने के लिए हर वक्त इम्तिहान चाहिए,
मिल जाएगा तुम को यों ही सब कुछ,
ये दिल का वहम तुम्हें निकालना चाहिए,
भट्टी की तरह तपानी पड़ती है ज़िंदगी,
ये बात यहाँ समझ आनी चाहिए,
फूंक फूंक कर रखना पड़ता है कदम,
ये बात खुद से खुद को बतानी चाहिए,
हसरत रखता है तो रातों को जागना सीख ले,
तूं कुछ कर गुज़र ये बात सबको नज़र आनी चाहिए,

रामेश्वर देव
करनाल,
हरियाणा

भूमि पुत्र

भूमि पुत्र मैं मजबूर किसान
दर्द ना समझा सारा ये जहान
धरती की छाती में मैं सोता हूँ
मिट्टी संग तपकर मैं रोता हूँ
सारे जगत का पेट भर कर आता
बदले में कर्ज में डूब हूँ जाता
ठंडा बारिश में दिन रात मरता हूँ
मिट्टी संग तपकर मैं रोता हूँ
बादलों संग आँख मिचौली होता
कष्ट की दल दल में बीज हूँ बोता
खेतीसंग जुआ खेल आता हूँ
मिट्टी संग तपकर मैं रोता हूँ
धरती हमारी है पूज्यनीय माता
जन्मों जनमों का इनसे मेरा नाता
मिट्टी की दर्द मैं समझता हूँ
मिट्टी संग तपकर मैं रोता हूँ
खेत खलिहान मेरा बना आशियाना
दिन रात बना ये मेरा एक ठिकाना
दुःख सुख संग सह कर जी लेता हूँ
मिट्टी संग तप कर मैं रोता हूँ

उदय किशोर साह
जयपुर बाँका
बिहार

भ्रष्टाचार बनाम अधिक मूल्यवर्ग करेंसी नोट

» **अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने डिजिटल पेमेंट का दायरा बढ़ाना जरूरी**

» **डिजिटल युग में 500 रुपए से अधिक मूल्यवर्ग करेंसी नोट भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे-डिजिटल लेनदेन का विस्तार भ्रष्टाचार बंदी में सहायक**

वैश्विक स्तरपर आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है,जिसमेंजनभागीदारी का प्रमाण उतना ही होना जरूरी है जितना शासकीय तथा प्रशासकीय लेवल पर होता है।क्योंकि नियम कायदे कानून योजनाएं तो आखिर जनता पर ही लागू होती है, जिसमें जनता का सहयोग ही नहीं बल्कि जनभागीदारी भी करना ज़रूरी है। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भारत में डिजिटल लेनदेन का भी महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि इस अर्थतंत्र में जितनी मुद्रा सर्कुलेट होगी उतनी अर्थव्यवस्था में मजबूती आएगी। अगर हम पैसों को काल कोठरी में बंद कर दबा कर रखेंगे और सर्कुलेट नहीं करेंगे तो वह डेड मनी होकर रह जाती है। दूसरे शब्दों में अगर हम 2016 की नोटबंदी और 19 मई 2023 को घोषित 2000 के नोटों की नोटबंदी को इस एंगल से देखें तो हमें यह बात समझ मेंआएगी। दोनों नोट बंदियों में हमने देखे कि घोषणा के तुरंत बाद मार्केट में 2016 में 1000 और 500 तथा 19 मई 2023 में 2000 के नोटों की बारिश हो गई याने तेजी से सर्कुलेट हो रहे हैं इसका अर्थ यह हुआ कि अधिकतम हद तक भ्रष्टाचार और काली कमाई का पैसा बाहर आने में से पहले डेड मनी बनकर दबा हुआ था, याने यह पैसा मार्केट में आया तो तेजी से कैलकुलेटर होगा। लोग खर्च करेंगे ट्रेड और सर्विस को पैसा आएगा, व्यापार सेवा बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा, कमाई होगी और इस चैन में गरीब लोगों में समृद्धि बढ़ेगी, बेरोजगार और गरीबों को रोजगार मिलेगा तो स्वाभाविक ही अर्थव्यवस्था मज़बूत होती चली जाएगी। अभी 2000 की नोटबंदी में देखने को मिल रहा है कि जिनकी उधारी महीनों वर्षों से लटकी हुई थी अब इन 3 दिनों में ही बहुत वसूली होते जा रही है यहां तक के 2000 के नोटों में लोग दुकानदारों को एडवांस भी दे रहे हैं कि आगे माल उठा लेंगे यह एडवांस में जमा कर लो, इस तरह दोनों नोट बंदियों से पैसा पूरा बाहर आया है और आएगा जो अर्थव्यवस्था को मजबूत करनें के संकेत हैं। दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों पर दूसरी करारी चोट पड़ी है क्योंकि भ्रष्टाचार में बड़े नोट ही सर्कुलेट होते हैं, इसलिए मेरा मानना हैकि अब आरबीआई ने बड़े नोट नहीं निकालना चाहिएडिजिटल लेनदेन पर जोर देना चाहिए तो बॉटमअप से लेकर टॉपअप तक शासकीय कर्मचारियों की वित्तीय पारदर्शिता जाहिर हो जाएगी कि पगार हजारों में मिलती है और खर्चा लाखों में कैसे होता है? डिजिटल भ्रष्टाचार होने की संभावना कम होगी, नगदी लेंगे नहीं तो नोटों का पहाड़ अब बनाएंगे नहीं तो उनके पास भ्रष्टाचार बंद करने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचेगा, जिसका सीधा फायदा आमजनता को ही होगा। कुछ समय से हम देख रहे हैं कि ईडी और सीबीआई की रेड में हरे गुलाबी के पहाड़ बरामद हो रहे हैं, वहीं एमपी में तो बड़े-बड़े शासकीय अधिकारियों से भारी मात्रा में हरे गुलाबी के पहाड़ बरामद हो रहे थे। इसलिए भ्रष्टाचार को रोकने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विश्व की सबसे बड़ी मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने की राह में 500 रुपए से अधिक मूल्य की करेंसी नोट का होना बाधक साबित होगा इसपर वित्तमंत्री, आरबीआई सहित उच्च स्तरपर मंथन कर भ्रष्टाचार को रोकना ज़रूरी है।

साथियों बात अगर हम एक पेपर की रिसर्च रिपोर्ट की करें तो, अखबार के रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल भारत में 3.7 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के 2000 रुपये के नोट मौजूद हैं। अगर उसका एक तिहाई नोट भी बैंकों के पास वापस जाता है तो बाजार में नकदी बढ़कर 40 हज़ार करोड़ रुपये से लेकर 1.1 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकती है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अघोषित आय पर टैक्स बचाने के लिए जिन लोगों ने 2000 रुपये के नोटों को जमा कर के रखा था, उन्हें अब गहने खरीदने और रियल एस्टेट सेक्टर में लगा दिया जाएगा।

साथियों बात अगर हम 2 दिन पूर्व आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर के बयान की करें तो उन्होंने भी कहा था, कि जिस तरह से डिजिटल लेन-देन बढ़ रहा है, मुझे नहीं लगता कि किसी बड़े मूल्यवर्ग के नोट की जरूरत है। पहले नकद लेन-देन का बोलबाला था तब, एक थंब-रूल था किमहंगाई दर के आधार पर हमें लेन-देन की सुविधा के लिए करेंसी नोटों के उच्च मूल्यवर्ग को पेश करना पड़ेगा। वह बाध्यता अब दो कारणों से लागू नहीं होती एक, डिजिटल पेमेंट के दायरा बड़ा हो चुका है, दूसरा महंगाई दर दहाई अंकों के विपरीत अब नियंत्रण में है।इसलिए बड़े वैल्यू वाले नोटों की जरूरत नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि 2016 में नोटबंदी के बाद इसलिए 2000 रुपये के नोट जारी किए गए थे, क्योंकि 500 रुपये के नोट की छपाई में बहुत अधिक समय लगता, इसलिए शॉर्ट टर्म के लिए इसे स्वीकार किया गया था, इसके अलावा, आरबीआई इन नोटों को बैंकिंग सिस्टम में आने के बाद वापस ले रहा था उन्हें दोबारा जारी नहीं किया गया था. यही वजह है कि इनमें से करीब आधे नोट पहले ही वापस ले लिए गए हैं। इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि बाकी नोटों को वापस लेने का निर्णय लिया गया है।उनके अनुसार, डिजिटल पेमेंट सिस्टम के व्यापक रूप से सफल होने के बाद और कम महंगाई दर का मतलब है कि उच्च मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों की अब और आवश्यकता नहीं है। वहीं उन्होंने 2014 से 2017 तक डिप्टी गवर्नर के रूप में कार्य करते हुए आरबीआई के मुद्रा प्रबंधन विभाग को संभाला था।उन्होंने कहा कि 2000 रुपये के नोट की शुरूआत डिमोनेटाइजेशन के सिद्धांतों के खिलाफ थी, इसे शॉर्ट टर्म टेक्टिकल निर्णय के रूप में स्वीकार किया गया था। 2000 रुपये के नोट को वापस मंगाने उसे 30 सितंबर 20223 तक अन्य मूल्यों के नोटों से एक्सचेंज करवा सकते हैं।

साथियों बात अगर हम 2000 के नोट बंदी के अनुमानित कारणों की करें तो, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों ने कहा, सरकार और केंद्रीय बैंक ने इस कदम को उठाने का सही कारण तो अब तक नहीं बताया है। लेकिन आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह का निर्णय लेना बुद्धिमानी भरा फैसला है, क्योंकि चुनाव के दौरान जनता को लुभाने और प्रचार में आमतौर पर नकदी का उपयोग बढ़ जाता है। 2000 रुपए के नोट की बंदी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर कई अच्छे तथा कई बुरे प्रभाव भी पड़े।अच्छे प्रभाव–नोटबंदी के बाद अघोषित आय पर लगाए गए टैक्स और जुर्माने से सरकारी खजाने में बड़ी राशि जमा होगी।निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ा। कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा मिला। बैंको ने कर्ज सस्ते किये।महंगाई कम होगी।नोटबंदी से ब्लैकमनी पर शिकंजा कस गया। इनकम टैक्स भरने वालों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी।प्रोपर्टी लेन-देन सस्ता होगा।

साथियों हम देखते होंगे कि राष्ट्रपति भवन में जब पद की शपथ ली जाती है तो गोपनीयता की भी शपथ ली जाती है।इसी फैसले के तहत गुपचुप ढ़ग से इसपर पहले और अभी रोक लगाया गया। वास्तव में भारत में एक सत्ता केन्द्र में थी एक सत्ता कुछ घरों में कैद थी। पड़ोसी मुल्क में रूपये पर एकक्षत्र राज चला रखा था। नेपाल के रास्ते नकली नोटों की खेपें भारत में लाई जा रही थी। नकली नोटों का साम्राज्य इतना बढ़ा हुआ था कि लोग नकली असली का फर्क भूल गये थे। कश्मीर से लेकर पंजाब पश्चिम बंगाल केरल बिहार गुजरात सभी जगहों पर नकली नोटों के बल पर आतंक का साम्राज्य चल रहा था। भ्रष्टाचार का पूरा तंत्र मौजूद था।कटमनी का सिस्टम ईमानदारी से किसी को काम करने ही नहीं दे रहा था।ऐसी परिस्थिति में ऐसा निर्णय लेना आवश्यक था कि सौ सोनार की एक लोहार की।निर्णय ले लिया गया कि पहले 1000 और 500 के नोट को रोक दिया गया अब 2000 के नोट को जिसका परिणाम हमको आगे देखने को मिलेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचार बनाम अधिक मूल्यवर्ग करेंसी नोट।अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने डिजिटल पेमेंट का दायरा बढ़ाना ज़रूरी है।डिजिटल युग में 500 रुपए से अधिक मूल्यवर्ग करेंसी नोट भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे डिजिटल लेनदेन का विस्तार भ्रष्टाचार बंदी में सहायक होगा।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

अनकहे अल्फाज

ख़ामोशियों के अनकहे,
अल्फाज़ हो तुम्ही।
तनहाईयों में गूंजती,आवाज हो तुम्हीं ।
आते हो दबे पांव,छुपके
फिर भी,जाने क्यूं,
दिल से गुज़रती आहटों के,
राज़ हो तुम्हीं।
धड़कन में बज रहा है,
जो अनसुना नग़मा,
उसकी हर एक लय के
हसीं साज हो तुम्हीं।
दिल जानता है तुम, बसे हुये हो उसी में,
सांसों की आयतों के,हमराज़ हो तुम्हीं ।
आमद हो जिनकी रुह तक,
वो जाएंगे कहां,
आगाज़ से अंज़ाम का,
अंदाज़ हो तुम्हीं ।
दरिया है इश्क का
ये गर डूब के स्वाती
होता हो फिर आगाज़
तो आगाज़ हो तुम्हीं।

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तस्बीह

चंद सांसें मिलीं जीने के लिए
दो आंसू मिले पीने के लिए
लबों पर एक फरियाद भी थी
काम आई ज़ख्म सीने के लिए
पैराहन-ए-रफ़ू हो चला अब
था परवान सफ़ीने के लिए
लोग जीते रहे, मगर अपनी
ज़िंदगी बीती करीने के लिए
कुछ मोती बचाए थे हमने
इन आंखों के नगीने के लिए
रौनक-ए-दुनिया रास आती नहीं
ली तस्बीह मदीने के लिए

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

कैफ़ियत

तेरी बेकरारी से
मेरी कैफियत मिले तो कहना।
मैंने लिखे प्यार भरे,
तुझे वो खत मिले तो कहना।
फिलहाल मशरूफ हूँ
जिंदगी की जद्दोजहद में,
कभी हमको,कभी तुम को
फुरसत मिले तो कहना।
बस यही गुनाह किया हर बार,
के चाहा है तुझे,
इसके अलावा कोई भी
शिकायत मिले तो कहना।
चंद खत,चंद नज्म,
और ढेर सारी मुसीबतें,
मेरे आशियाँ से कोई और
दौलत मिले तो कहना।
आदत हो गई, सितमगर
तेरे हर सितम की,
तू सितम कर,रूह में
हरकत मिले तो कहना।

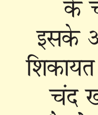

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

ख्वाब

ख्वाब इन आंखों में
फिर आँखों में पानी
फिर सारे वो बह गए
सब कोशिशें बेमानी
बे ते रहे हम राहों में
वो राहें थी अंजानी
उम्मीद लिए थे साथ
नसीब ने की बेईमानी
महल बने ख्वाबों में
एक प्यारी सी कहानी
नींद खुली तो देखा
न था कोई राजा,न रानी

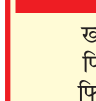

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

बारहवीं के बाद का बवाल

बारहवीं का रिजल्ट आते ही बच्चों और उनके मां-बाप का बीपी बढ़ने लगता है। उनका टेंशन सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। बारहवीं पास करने वाले लड़के-लड़कियां कौन सी लाइन पकड़ें, कहां एडमिशन कराएं, इस चिंता में गार्जियन मवाली की तरह इधर-उधर भटकने लगते हैं। इस कालेज से उस कालेज चक्कर लगाते हैं। चारों ओर फार्म भर कर %चातक% की तरह %एडमिशन% की राह देखते हैं। मेरिट लिस्ट के बाहर आते ही लाटरी के टिकट की तरह %एडमिशन लगा% कि नहीं, यह देखने के लिए तत्पर हो उठते हैं। बच्चे का अधिक प्रतिशत आया है, तब तो कोई दिक्कत नहीं होती, पर अगर कम आया गया, तब बच्चे की ही नहीं, गार्जियन की भी खटिया खड़ी हो जाती है। पहचान खोज कर, %सिफारिश% लगा कर या फिर डोनेशन देकर एडमिशन कराने के लिए परेशान हो उठते हैं। सचमुच, बारहवीं के रिजल्ट के बाद स्टूडेंट और पैरेंट्स सभी की हालत पिंजरे में फंसे बंदर जैसी हो जाती है। हमारे यहां अभी भी साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स, इस तरह की तीन मुख्य फैकल्टी हैं। इसके अलावा अन्य किसी स्ट्रीट में जाना हो तो किसी को कुछ सूझता ही नहीं है और कोई सोचता भी नहीं है। साइंस में ज्यादातर लोग डाक्टर, इंजीनियर या बीएससी करते हैं। कॉमर्स में सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यू बनते हैं। और आर्ट्स में लोग लिटरेचर, हिस्ट्री या साइकोलॉजी लेते हैं। इसके अलावा दुनिया में %और भी हैं राहें% हैं तो लोग चांस लेना नहीं चाहते, इसलिए पैरेंट्स, गार्जियन अपने पाल्य को मुख्य धारा में धकेल देते हैं। इस तरह देखा जाए तो इसके अलावा कोई खास ऑप्शंस न होने से ही इस स्थिति का निर्माण हुआ है। ऐसे %भीषण% संयोगों में हमने ऐसे तमाम नए %कैरियर ऑप्शंस% पेश करने का बीड़ा उठाया है। ये ऐसे कैरियर ऑप्शंस है, जिनके लिए पढ़ने या रिजल्ट का मोहताज नहीं होना पड़ेगा। तो चलिए इस तरह के झकास %कैरियर ऑप्शंस% चेक कर लेते हैं।

बीबीजी यानी कि बैचलर इन बाबागिरी - फैकल्टी में एडमिशन लेने के लिए आप को किसी भी तरह की शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं है। आपको हमेशा अस्खलित, धड़ाधड़ बोलना आना चाहिए। लोगों को अपनी बातों में लपेट कर मूर्ख बनाना आता है तो और भी अच्छा है। धर्म, श्रद्धा और आस्था के नाम पर आप लोगों को इमोशनली एक्सप्लॉइट कर सकते हैं तो आप बैचलर इन बाबागिरी में हंड्रेड पर्सेंट एडमिशन पा सकते हैं। इस कोर्स में आप को चंट और ठग बाबाओं का चरित्र पढ़ाया जाएगा। आप को ढ़ोंगी बाबा बनने की प्रेरणा दी जाएगी। किसी चालाक बाबा के यहां आप को ट्रेनिंग-अप्रेंटिस के लिए भेजा जाएगा। आप लोगों को उल्लू बनाने में माहिर हो जाएंगे तो आप को किसी आश्रम में प्लेसमेंट भी मिल जाएगा। आप को तमाम किराए के भक्त भी प्रोवाइड कराए जाएंगे और आप एक बार बैचलर इन बाबागिरी हो गए तो फिर आप की बल्ले-बल्ले हो जाएगी। लोग आप का भंडार भरते रहेंगे और आप को भगवान की तरह पूजते रहेंगे। इस कोर्स में किसी भी जाति, उम्र या साइज के स्त्री, पुरुष या अन्य का एडमिशन हो सकेगा। एडमिशन कभी भी लिया जा सकता है।

एमएसजी यानी कि मास्टर आफ सुपारीगिरी मास्टर इन सुपारीगिरी में एडमिशन लेने के लिए आप में किसी भी तरह की योग्यता, ज्ञान, होशियारी या अक्ल का न होना जरूरी है। इसमें सुपारी उठाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यहां यह कहना खास जरूरी है कि इस कोर्स की सुपारी पान की दुकान पर मिलने वाली कच्ची, पक्की, भुनी सेवर्धन, टुकड़ा, गली, मीठी सुपारी के साथ दूरदूर का संबंध नहीं है। कोई लेनादेना भी नहीं है। इस कोर्स में %सुपारी लेने% यानी कि जीवित व्यक्ति की जान लेने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस कोर्स में कब, किसकी सुपारी ली जाए, यह सिखाने के साथ-साथ व्यक्ति के रुतबे और हैसियत के हिसाब से किस की कितने में सुपारी ली जाए, यह बताया-समझाया जाएगा, साथ ही हिंसक शस्त्रों और हिंसक भाषा का कैसे और कितना उपयोग करना है, का प्रेक्टिकल नॉलेज भी दिया जाएगा। क्रूर व्यवहार, मारपीट, धमकी और पिटाई किस तरह करनी है, इसका सच्चा ज्ञान दिया जाएगा। कुख्यात, फिरौतीबाज, अपहरणकर्ता, हायर्ड किलर्स की सुपारीबाजों से रूबरू मुलाकात करा कर उनसे एक्च्युअल ट्रेनिंग भी दिलाई जाएगी। सुपारीबाजों को पुलिस और कानून के चंगुल में फंसे बगैर किस तरह धंधा करना है, इसका विशेषज्ञों से ज्ञान दिलाया जाएगा। मास्टर इन सुपारीगिरी करने वाले सुपारीबाज के लिए भविष्य में राजनीति में घुसने का चांस मिलता है तो इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पीओ यानी कि पेपर आऊट कराने की एक्च्युअल ट्रेनिंग

पीओ के कोर्स में विद्यार्थियों को मात्र अक्षर ज्ञान होना जरूरी है। क्योंकि इस कोर्स में पेपर आऊट कराने की ट्रेनिंग दी जानी है। यानी कि जब विद्यार्थी थोड़ा-बहुत पढ़ा होगा, तभी उसे ही पता चलेगा कि उसने एग्जाम का पेपर आऊट कराया है या न्यूज पेपर। इस कोर्स में सभी जानी-अंजानी परीक्षाओं के पेपर आऊट करना सिखाया जाएगा। प्रोफेसर, प्रिंसिपल, चपरासी, प्रेसवालों से किस तरह बात करनी है, इन्हें किस तरह पटाना है, इसका ज्ञान दिया जाएगा। परीक्षा के महत्व को देख कर पेपर आऊट कराने के मूल्य और मूल्यांकन तय करना सिखाया जाएगा। आऊट किए गए पेपर के लिए ग्राहक खोजना, उसे बेचना, उसकी मार्केटिंग स्किल सिखाई जाएगी और पेपर आऊट-लीक कर बेच कर पैसे बना कर गायब हो जाना भी सिखाया जाएगा। पीओ की ट्रेनिंग लेने वाले आजीवन बिजनेस कर सकेंगे। बताइए भाइयों हैं न कमाल के कैरियर विकल्प...

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

साहित्य जगत में फैल रहा व्यवसाईयों का मकड़ जाल

वर्ष 2018 मे मैंने साहित्य जगत में कदम रखा था। इससे पहले मैं यह भी ना जानती थी की, साहित्यकार से संबंधित किसी प्रकार के सोशल मीडिया पर ग्रुप भी होते हैं। वर्ष 2018 में ही मुझे एक बैंक के अधिकारी ने साहित्य जगत के पटल से जोड़ा। वर्ष 2018 से अब तक के सफर में कितना कुछ बदल गया है। साहित्य जगत के क्षेत्र में, ऐसा लगता है। साहित्य की तो कोई कीमत ही ना रह गयी है। बस, साहित्य एक व्यवसायिक तौर पर देखा जा रहा है। लोगों को लगता है कि बस कोई न कोई साहित्यकार फस जाए और उनसे कमाई का साधन शुरू हो जाए। जी हां, मैं बिल्कुल सही कह रही हूं। जब मैं वर्ष 2018 में साहित्य जगत से जुड़ी थी तो मुझे नहीं पता था कि साझा संकलन क्या होता है, एकल पुस्तक का प्रकाशन क्या होता है। शुरू-शुरू में तो मैंने साझा संकलन के नाम पर रचना मांगने वालों को रचनाएं दी और साथ में पैसे भी दिए। वर्ष 2020 में आते आते मुझे ये पता पड़ा और मैंने ये महसूस भी किया कि साझा संकलन हमारे किसी काम का है ही नहीं। यह तो सिर्फ संपादक के लिए एक मोटी कमाई का जरिया है जिसे बैठे-बिठाए रचनाएं साहित्यकारों से मिल जाती है, साथ ही पुस्तक प्रकाशन के नाम पर साहित्यकारों से पैसे भी ऐठ लिए जाते हैं। अगर देखा जाए तो संपादक के हाथ में रचनाएं भी लग गई, पैसे भी मिल गए और वह एक पुस्तक के संपादक भी बन गये। उनके हाथों में तो भर-भर कटोरा मलाई आ गई। वर्ष 2020 से लेकर मैंने साझा संकलन में भाग लेना बंद कर दिया और साथ ही मैंने 2021 मे मानवता सेवा चयन नाम की संस्था बनाई जिसमें 1900 साहित्यकार इस समय तक जुड़े हुए हैं। उन्हें भी मार्गदर्शन किया की साझा संकलन हमारे लिए किसी काम की नहीं है। हां! अगर निःशुल्क साझा संकलन है तो आप उसमें रचनाएं दीजिए, क्योंकि यह हमारे लिए विज्ञापन का जरिया है धीरे-धीरे साहित्यिक व्यवसायियों ने देखा की साझा संकलन में लोगों ने भाग लेना कम कर दिया है तो उन्होंने कमाई का दूसरा जरिया निकाल दिया है। जहां देखो कोई ना कोई, किसी न किसी प्रकार से, किसी न किसी विषय पर एनथालॉजी के नाम पर केवल 30 सदस्यों या 40 सदस्यों के रचनाओं के साथ ई-बुक बनाकर सभी को ई सम्मान पत्र पकड़ा रहे हैं। इसका उनको क्या फायदा और किस तरह हो रहा है, और क्यों लोग इतना निःशुल्क साझा पुस्तकें बनवा रहे हैं, यह अभी हमारी समझ के बाहर है। परंतु, मैं तो यह मानती हूं कि निःशुल्क साझा पुस्तकें हम साहित्यकारों के लिए वरदान के समान है। जिसमें हमें एक रुपए भी न देना पड़े और हमारा विज्ञापन मुफ्त में होता रहे। कहते हैं कि जिसके नसीब में होगा वह खाएगा ही और जिसके नसीब में नहीं होगा वो लाख कोशिशें भी कर ले फिर भी ना खा पाएगा। अब हमारी रचनाओं को ई पुस्तकों के माध्यम से कहां और किस तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, यह तो हमें भी नहीं पता है। हो सकता है हमारी लिखी हुई रचनाओं को किसी और नाम से प्रकाशित कर छापा जा रहा हो। हमने तो अपने सत्कर्म कर लिए सामने वाले के ऊपर, यह कहे साहित्यिक व्यवसायियों को हमने विश्वास कर अपनी रचनाएं सौंप दी, वो इसका इस्तेमाल कैसे करते उनके ही कर्म जानते हैं। आज अगर साहित्य जगत में देखूं नित कोई न कोई निःशुल्क एंथलाज़ी पुस्तक लाकर साहित्यकारों को दाना डालकर उनकी रचनाएं ले रहे हैं। जैसा कि मैंने कहा कि निःशुल्क साझा संकलन हमारा विज्ञापन करने का एक बेहतरीन प्लेटफार्म है तो निः शुल्क साझा संकलनों मे आप सभी बेझिझक रचना दें। अपना फायदा देखते हुए। परंतु साझा पुस्तक के लिए पुस्तक संग, पैसा भी देना सरासर अपना शोषण करवाने जैसा होगा।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

सत्ता जनविरोधी और बुद्धीनाशी

व्यंग में वैसे लिखना चाहिए कि अच्छा है जो प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और रेल मंत्री सब संघ-भाजपा के वोट आधार पर खुद कुल्हाडी चला रहे है। आखिर उत्तर भारत के बनिए और व्यापारी ही तो संघ-भाजपा के पुराने पक्के वोट है। सो बहुत अच्छा जो उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान के शहर-कस्बों के व्यापारियों-कारोबारियों पर जीएसटी के इंस्पेक्टर राज के छापे पड रहे है। गूगल पर यदि जीएसटी छापे के जुमले से सर्च की जाए तो प्रदेशों के छोटे-छोटे कस्बों मे इंस्पेक्टर राज का कहर बरपता लगेगा।

गौर करे इन सुर्खियों पर- जीएसटी के राजस्थान, मध्यप्रदेश में छापे। आर्थिक राजधानी इंदौर में बड़ा जीएसटी फ्रॉडज़ मप्रमें 42 स्थानों पर जीएसटीका सर्वे, बुरहानपुर मेंज कटनी में कोल किंग के ठिकानों पर छापाज पान मसाला कारोबारियों के ठिकानों पर छापा, हड़कंपज बालाघाट के एक व्यवसायी से 55 लाख की वसूलीज किशनगढ़ में डीजीजीआईका छापाज जीएसटी का 'ऑपरेशन धमाका', पटाखाज रतलाम में 5 जगहों पर छापाज्मध्य प्रदेश में जीएसटी इंटेलिजेंस ने पकड़ी टैक्स चोरी ज कॉलोनी डेवलपर के दफ्तर पर जीएसटी का छापाज यूपी में शहर-शहर जीएसटीके छापे, शटर बंद कर भाग रहे व्यापारीज यूपी के कई जिलों में जीएसटी विभाग की टीमें छापा मार कार्रवाई कर रही हैंज शामली बाजार पर जीएसटी कमिश्नर की छापेमारी, नाराज व्यापारियों ज

सीमेंट कंपनी के ठिकानों पर छापेज लखनऊ- सभी व्यापारियों के यहां नहीं पड़ेगा जीएसटी का छापा, जानें किसकी होगी जांचज जबलपुर में जीएसटीका छापाज गुटखा व्यवसायी के ठिकानों पर छापाज्अज़मेर के पड़ाव में जीएसटी टीम ने गुटखा व्यापारी के ठिकानों परज मुजफ्फरपुरज रामदूत रोलिंग मिल में जीएसटी का छापाज नोएडा स्टेट जीएसटी की छापेमारी मेंज छत्तीसगढ़ में कई कंपनियों पर छापेमारीज कोरबा और भाटापाराज नाइट क्लब और शराब दुकानों में मारा छापाज किशनगढ़बास में मोबाइल की दुकान पर जीएसटी टीम का छापाज़ कासगंज में व्यापारियों ने छापेमारी का किया विरोध, व्यापारी से ही जीसटी इकठ्ठा होती है और उसी को नाजायज परेशान किया जाता है।ज आंदोलन की दी चेतावनीज्लखनऊ व्यापार मण्डल की कोर कमेटी की बैठक में 16 मई से शुरू होने वाले जीएसटी के विशेष अभियान की चर्चा हुई।ज़जीएसटी का सर्वे डोर टू डोर ज सलेमपुर के व्यापारियों ने किया प्रदर्शनज डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने चेताया, व्यापारियों को परेशान करने वाले अफसर दंडित होंगेज

जाहिर है छोटे-छोटे कस्बों तक में मोदी सरकार का इंस्पेक्टर राज पहुंचवा हुआ है। नोटबंदी के बाद व्यापारी-कारोबारियों (अदानी-अंबानी जैसों के छोड़े) का धंधा वैसे ही अधमरा था। अब लगता है सरकार ने ईडी, सीबीआई, आयकर की छापेमारीकेमाइक्रों अनुभव में जीएसटी को शहर-कस्बों में वैसे ही पहुंचा दिया है जैसे कभी सेल्स टैक्स वालों का इस्पेक्टर राज था।

उस नाते हिसाब लगाए कि मोदी सरकार में नोटबंदी के बाद से व्यापारियों पर कितनी तरह के जुल्म हुए है? वे कितनी तरह की परेशानियों से गुजरो है? ठिक यही स्थिति किसानों की है। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि हाल की गेंहू फसल में मौसम गडबडी से किसानों को कैसा जबरदस्त नुकसान हुआ है? न ही गांवों में पहले की तरह मनरेगा में काम मिल रहा है। व्यापारी-किसान के बाद शहर-कस्बों के मध्यवर्ग पर सोचे तो महंगाई, बेरोजगारी की बेहाली और बेरोजगार लड़के-लडकियों की मानसिक दशा अकल्पनीय।

हरिशंकर व्यास

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

सार्वजनिक स्थान पर किया जा रहा था शराब का सेवन,पुलिस ने की कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

शहर की यातायात व कानून व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से एसपी भावना गुपता के निर्देश पर मंगलवार की शाम को पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान एएसपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम शाम विजीबल पुलिसिंग अंतर्गत शहर की सडक़ों पर पैदल गश्त करते हुए आसामजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की गई। वहीं यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई की गई। इस दौरान लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों एवं बिना नंबर प्लेट, अमानक साइलेंसर का प्रयोग कर वाहन चलाने वालों पर कुल 23 लोगों पर कड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान टीम ने सार्वजानिक स्थल पर शराब का सेवन कर उपद्रव करने वालों पर भी कार्रवाई की। टीम द्वारा गाड़ाघाट, भगवानपुर एवं गंगापुर के शराब दुकानों के आसपास भी बैठकर शराब सेवन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध 36(च) आबकारी एक्ट के तहत 7 प्रकरण दर्ज कर 18 आरोपियों पर अग्रिम कार्रवाई की गई है। वहीं 34 (1) आबकारी एक्ट के तहत 1 प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन, यातायात उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान, गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक धिरेंद्र दुबे,कोतवाली प्रभरी रूपेश नारंग, मणिपुर थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय एवं नगर निगम अम्बिकापुर की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

जीएसटी को लेकर व्यापारियों को घबराने की जरूरत नहीं,दस्तावेज रखें दुरूस्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

कैट एवं चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सरगुजा इकाई द्वारा मंगलवार को जीएसटी को लेकर अफवाह एवं 2000 के नोट को लेकर समस्या को देखते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में सुखना राम असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी, विभांशु जैन एसबीआई रीजनल चीफ मैनेजर एवं अश्विनी साहू चीफ मैनेजर मैन ब्रांच एसबीआई बैंक रहे। वहीं वशिष्ठ अतिथि बाबूलाल अग्रवाल रहे। सरगुजा के काफी संख्या में प्रतिष्ठित व्यापारी उपस्थित रहे। अजीत अग्रवाल जिलाध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सरगुजा एवं रविन्द्र तिवारी जिलाध्यक्ष कैट सरगुजा के अध्यक्षता में ये कार्यक्रम अयोजित किया गया था। कार्यक्रम में व्यापारियों के प्रश्नों का जवाब अधिकारियों द्वारा दिया गया।

जीएसटी को लेकर सुखना राम ने स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार द्वारा 16 मई से 15 जुलाई तक लगातार फर्जी जीएसटी नंबर धारकों पर कार्यवाही कर रही है। नाकि आम व्यापारी पर, व्यापारी को बिलकुल भी डरने की जरूरत नही हैं। व्यापारी के पास जीएसटी नंबर, बिजली बिल, पैन कार्ड, आधार कार्ड, सेल्स एवं परचेज डिटेल जैसे आवश्यक डॉक्यूमेंट्स तो होते ही हैं जिसके लिए बिल्कुल भी घबराने का जरूरत नही है। वहीं एसबीआई बैंक के अधिकारी विभांशु जैन एवं अश्विनी साहू द्वारा 2000 के नोट के गाइडलाइंस को लेकर बताया। बाबूलाल अग्रवाल द्वारा व्यापारिक संगठन को मजबूत करने की बात कही गई। इस दौरान सुनील अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, रविन्द्र तिवारी, इति चतुर्वेदी एवं मुकेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस दौरान नरेंद्र टुटेजा, अमित तिवारी, अभिषेक सिंह, सौरभ अग्रवाल, आदर्श बंसल, अमर परवानी, सुनील अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, गुलाब धनवानी, सौरभ अग्रवाल, अमित तिवारी, अभिषेक सिंह, आदर्श बंसल, इति चतुर्वेदी, शिवांशु गुप्ता, शुभम अग्रवाल शामिल रहे।

अंबिकेश केसरी बने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के निदेशक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा नेता अंबिकेश केसरी को वित्त मंत्रालय द्वारा भारत सरकार सरकार के उपक्रम यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस का निदेशक (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर) नियुक्त किया गया है विदित हो कि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस स्वास्थ्य बीमा के सेक्टर में सभी छोटे बड़े शहरों कस्बों के इंश्योरेंस का व्यापक रूप से काम करती है किसान बीमा मोटर व्हीकल गृह स्वास्थ्य बीमा से लेकर अन्य सामाजिक क्षेत्रों में होने वाले बीमा के सभी कार्य यूनाइटेड इंडिया द्वारा संपादित किए जाते हैं निदेशक के पद पर इस नियुक्ति का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इस क्षेत्र से वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रथम बार किसी स्थानीय व्यक्ति को नियुक्त किया गया है जो क्षेत्र के लिए हर्ष की बात है सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्रों में लंबा अनुभव रखने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता अंबिकेश केसरी ने इस नियुक्ति के लिए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहू राष्ट्रीय नेतृत्व एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम प्रकाश माथुर मध्य क्षेत्र संगठन प्रभारी अजय जामवाल एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय को आभार ज्ञापित किया है आगामी 30 मई को चेन्नई में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की प्रथम बैठक आहूत की गई है जिसमें नवनियुक्त निदेशक अंबिकेश केसरी अपना पदभार ग्रहण करेंगे !

रात दो बजे घर से भागकर वृद्धा ने तालाब में कूदकर दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

एक वृद्धा ने नेहरू वार्ड स्थित करसू तालाब में कूद कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर नगर निगम के कर्मचारी की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मृतका की पहचान दर्रीपारा निवासी रामरति के रूप में की गई। परिजन ने पुलिस को बताया कि वह अचानक रात करीब 2 बजे घर से निकल गई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय रामरति पति स्व. देवसाय मुंडा शहर के दर्रीपारा की रहने वाली थी। वह मंगलवार की रात करीब 2 बजे अचानक घर से निकल कर कहीं चली गई थी। जानकारी होने पर परिजन रात में ही उसकी तलाशी शुरू कर दी पर कहीं पता नहीं चला। बुधवार की सुबह भी परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इधर रामरति नहरू वार्ड सतिपारा स्थित करसू तालाब के पास पहुंची और कूद गई। करसू तालाब के पास की ही एक 8 वर्षीय बच्ची ने महिला को तालाब में कूदते दिखी। बच्ची ने घटना की जानकारी आसपास के लोगों की दी। लोग देखने के लिए तालाब के किनारे पहुंच गए पर महिला का पता नहीं चल रहा था। लोगों ने घटना की जानकारी वार्ड के पार्षद को दी। पार्षद ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर एएसआई पुष्पा तिर्की महिला प्रधान आरक्षक के साथ मौके पर पहुंची और नगर निगम के कर्मचारी की मदद से शव को बाहर निकलवाया। नगर निगम के कर्मचारी ने ही मृतका के पहचान दर्रीपारा निवासी के रूप में की। इसके बाद महिला के परिजन को बुलाया गया और पुलिस द्वारा शव का पंचनामा और पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया।

110 करोड़ से शासकीय स्कूलों में होगा मरम्मत का काम : आदित्येश्वर

मल्टी परपज के लिए एक करोड़ 90 लाख रुपए की मिली स्वीकृति

अंबिकापुर,24 मई 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत सरगुजा में स्कूलों के मरम्मत के लिए 110 करोड़ की राशि की स्वीकृति मिली है। जिसमें 1500 कार्य शामिल है। अकेले मल्टीपरपज विद्यालय अंबिकापुर के लिए 1 करोड़ 90 लख रुपए की स्वीकृति मिली है इस राशि से मल्टीपरपज स्कूल में तीन नए लैब, हॉल, बिल्डिंग व अन्य कार्य शामिल हैं। उक्त बातें बुधवार को सरगुजा जिला पंचायत में बुधवार को शिक्षा संचार समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिपं उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा। उन्होंने कहा कि 110 करोड़ रुपए की राशि से प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला के स्कूलों का मरम्मत होगा। आदित्येश्वर ने बताया कि सरगुजा में 800 में से 100 स्कूल में जरूरत से कम राशि मिला है जिसके लिए फिर से पहल की जाएगी। हर प्राथमिक शाला स्कूल की जानकारी प्राप्त की जा रही है जहां भी स्थिति जर्जर हो गई है नए भवन एवं अतिरिक्त भवन बनाने की योजना है शिक्षा विभाग विक्स के तहत दो करोड़ के और कार्यों की ही स्वीकृति मिली है। आदित्येश्वर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पीएम श्री स्कूल के लिए 11 स्कूलों का चयन हुआ है जिसमें अंबिकापुर में नगर निगम स्कूल सम्मिलित है। शिक्षा संचार समिति की बैठक को लेकर कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा के जितने भी काम हैं कौन-कौन एजेंसी काम कर रही है इसकी जानकारी मंगाई गई है।

छोटे-छोटे बच्चों ने दी शानदार कार्यक्रम की प्रस्तुति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर के जन्म माह पर विवेकानंद परिसर में आध्या महिला बंग समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी तन्मयानंद साहित्यकार तपन बनर्जी, अधिवक्ता दिलीप विस्वास, स्यामल बसु रॉय, वरिष्ठ सदस्य शेफाली नाग, विमान मुखर्जी के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। वन्दना दत्ता ने बताया कि वर्ष 2013 से निरन्तर गुरुदेव कविताओं गीतों एव नाटकों को प्रस्तुति की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने गुरुदेव की विलक्षण प्रतिभा का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास ने किया। इस दौरान श्रुति मुखर्जी, लिलि बसु रॉय, तृप्ति विश्वास, संगीता मुखर्जी, सुजाता पॉल, भानू प्रकाश मुखर्जी, नन्ही कलाकार सौवीका बसु, मुकुल विश्वास, प्रतीक, प्रगति विश्वास, अनामिका चक्रवर्ती, सुप्रियो मुखर्जी, आरोन वर्मा, दिव्यांशु वर्मा, नायरा विश्वास, रानी बसु राय, आरव श्रीवास्तव, श्रुति मुखर्जी, श्रीजा मुखर्जी, इंद्राणी मुखर्जी, रानी बसु, दिव्यांशी शर्मा, वैभव चक्रवर्ती, तनिष्का पॉल, प्रियाली जांगड़े, नायरा विश्वास, सुजाता पॉल, बानी मुखर्जी, आरव श्रीवास्तव, श्रीजा, इंद्राणी ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विजय गुप्त, प्रभु नारायण वर्मा, अंजनी सिन्हा, राजेश पांडेय, कमलेश सिह, कांति प्रकाश दत्ता, आदित्य नारायण वर्मा, भोला रंजन सेन, अमिय चाकी, सुदीप्तो बनर्जी, एनके आइच, डॉ. पुस्पा सोनी, मीरा साहू, मुक्ता गुप्ता, किरण गुप्ता, अंजना परिहार, सोनी सिन्हा, अनुभा डबराल, स्मिता तिवारी, श्रद्धा खेरपाण्डे, रंजन खेरपाण्डे, संजीव रेखा गनेसपुरकर, आशा थोराट एवं सदस्यों में पारुल बनर्जी, स्निग्धा मित्रा, तृप्ति चाकी, चैती, हेना सेन, राखी विश्वास, सविता आइच, सुनन्दा बनर्जी, अम्बिका दत्ता, बबिता विश्वास का सराहनीय योगदान रहा।

भाजपा के नेता कर रहे गौठान का निरीक्षण , कांग्रेस सरकार पर लगा रहे है भ्रष्टाचार के आरोप

- संवाददाता -
कुसमी,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

चलबो गौठान खोलबो पोल के तहत विधानसभा सामरी के मंडल कुसमी में गौठान का भाजपा नेताओं के दल ने किया निरीक्षण ,दरसल छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुहीम जाबो गोठान-खोलवो-पोल कार्यक्रम के अंतर्गत बलरामपुर जिले के विधानसभा सामरी के मण्डल कुसमी में ग्राम पंचाय सेमरा ग्राम पंचायत हर्रि ग्राम पंचायत चैनपुर ग्राम पंचायत भुलसी के गोठानो का निरिक्षण किया है,केंद्र सरकार की मनरेगा, 15वां वित्त, डीएमएफ आदि की राशी जो ग्राम पंचायतों के विकास के लिए दी जाती है, उस राशी से गौठान के नाम पर भारी-भरकम भ्रष्टाचार करने का आरोप छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार पर लगाया जा रहा है वही इस राशि के जरिए कांग्रेसी नेताओं ने अपने जेब भरे हैं यह आरोप लगाया जा रहा है भाजपा के द्वारा , वही भाजपा के लोगो का यह भी आरोप है कि गोठान में एक भी गाय नहीं हैं परंतु गोबर खरीदी के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को गोठान के नाम पर ठगा गया है। भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है, सभी ग्राम पंचायतों का यही हाल है।गौठान के नाम पर भूपेश बघेल की सरकार ने घोटाले की पराकाष्ठा पार कर दी है। गौठानों में न पानी, न चारा, न छांव है, गौमाता सड़कों पर घूम रही है। गोठान निरीक्षण के दौरान कुसमी मंडल गौठान निरीक्षण प्रभारी पूर्व विधायक सिद्धनाथ पैकरा 10 उपाध्यक्ष उद्धेश्वरी पैकरा मंडल के अध्यक्ष संजय जयसवाल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा भरत सेन सिंह सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश गुप्ता जिले के मंत्री जिला पंचायत सदस्य हीरामणि निकुंज मंडल के महामंत्री बालेश्वर राम, अशोक सोनी, इंद्रदेव निकुंज, सुभाष मोहन , अंबिकेश्वर , शशिकला टोप्पो , बसंती भगत लालमुनि , करता राम लक्ष्मण राम, पार्षद रोशन एक्का, लक्ष्मण बसोढ ,सहित अन्य भाजपा और ग्रामीण जन उपस्थित हुए।

रिंग रोड पर खड़े भारी वाहन चालकों पर पुलिस ने की कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 मई 2023 (घटती-घटना)।

रिंग रोड में अवैध रूप से खड़े भारी वाहनों व फुटपाथ पर दुकानदारों द्वारा किए गए कब्जे को लेकर सरगुजा पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाकर मंगलवार की शाम कार्रवाई की गई।

एएसपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने गांधी चौक से कार्रवाई की शुरूआत की गई जो बिलासपुर चौक तक चला। इस दौरान रिंग रोड में खड़े भारी वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई कर समझाइश दी गई। वहीं रिंग रोड के किनारे दुकानदारों एवं विभिन्न गैरेज संचालकों द्वारा फुटपाथ पर अनाधिकृत रूप से रखे गए सामानों को हटवाकर फुटपाथ को आमनागरिकों के उपयोग हेतु अतिक्रमण मुक्त रखने हेतु सख्त हिदायत दी गई। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन, यातायात उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान, गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक धिरेंद्र दुबे,कोतवाली प्रभरी रूपेश नारंग, मणिपुर थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय एवं नगर निगम अम्बिकापुर की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

विधायक कमरो की पहल पर पुल-पुलिया और सडक़ के लिए 30 करोड़ की राशि मंजूर

» भरतपुर-सोनहत विधासभा में विकास को लगेंगे पंख

ईश्नु प्रसाद यादव
मनेंद्रगढ़,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

सविप्रा उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो की सराहनीय पहल पर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत नदियों में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण हेतु राज्य सरकार के द्वारा करीब 30 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बहुप्रतीक्षित पुल और सडक़ों का निर्माण होने से ग्रामीण इलाकों में विकास को पंख लगेंगे। स्वीकृत राशि 4 करोड़ 63 लाख 2 हजार की लागत से मनेंद्रगढ़ विकासखंड में बिछियाटोला से कोतमा मार्ग स्थित बरने नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य कराया जाएगा।

इससे ग्राम डिहुली, रोझी, केंवटी, भालूडांड़, केल्हारी, मनवारी, डुगला, सेमरिहा, डाड़हंसवाही, बिछियाटोला गांवों को आवागमन में सहूलियत होगी। वहीं 4 करोड़ 88 लाख 87 हजार की लागत से सोनहत विकासखंड में नवाटोला से ग्राम देवतीडांड़ मार्ग स्थित बुडक़ी नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य होने से ग्राम हर्राडीह, बंशीपुर, चंदहा, नवाटोला व देवतीडांड़ सहित अन्य गांवों के ग्रामीण सहजतापूर्वक आवागमन कर सकेंगे। पुल के अलावे विधानसभा क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित सडक़ों के लिए विधायक कमरो का निरंतर प्रयास रंग लाया है। नाबार्ड योजनांतर्गत वर्ष 2022-23 के बजट में शामिल भरतपुर-सोनहत विधानसभा अंतर्गत उजियारपुर से राधारमननगर पहुंच मार्ग लंबाई 6.50 किलोमीटर निर्माण कार्य हेतु 7 करोड़ 74 लाख 15 हजार की राशि मंजूर की गई है। बता दें कि इस सडक़ के बनने से ग्राम पंचायत सोनवर्षा के ग्रामीण आजादी के बाद पहली बार मुख्य मार्ग से जुड़ सकेंगे जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। सोनवर्षा और राधारमननगर के ग्रामीण वर्तमान में जान जोखिम में डालकर जंगल के रास्ते आवागमन करते हैं। इससे उन्हें अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं सडक़ नहीं होने की वजह से क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ सका है। इसी प्रकार केल्हारी मुख्य मार्ग से रतौरा-धरमपुर-महाई पहुंच मार्ग लंबाई 7 किलोमीटर निर्माण कार्य हेतु 5 करोड़ 40 लाख 39 हजार रूपए की स्वीकृति शासन की ओर से प्रदान की गई है। इससे ग्राम रोकड़ा, बडक़ाबहरा, केराबहरा, रतौरा, धरमपुर एवं महाई के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होगी। वहीं गिरवानी से डौकाडांड़ पहुंच मार्ग लंबाई 4436 किलोमीटर पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य हेतु 6 करोड़ 82 लाख 34 हजार रूपए की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इसके बनने से सडक़ से लगे गांव कुंवारपुर, तिलौली, तोजा, तोजी, बहरासी, मन्नौढ़, फुलझर, संगौरा सहित समूचे भरतपुर विकासखंड के लोगों को बिलासपुर सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश आने-जाने में सहूलियत होगी।

विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी, तबसे लेकर आज तक छत्तीसगढ़ का अन्नदाता वर्ग किसान तथा प्रदेश की आम जनता के लिए कांग्रेस की संवेदनशील भूपेश सरकार ने जो किया है, वह पूर्ववर्ती सरकार ने न कभी सोचा और न कभी करने की कोशिश की। पुल-पुलिया और सडक़ ये 2 ऐसी बुनियादी जरूरतें हैं जो उस क्षेत्र में विकास का मार्ग खोलते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश की पहली विधानसभा में विकास को जो गति प्रदान की है, वह साफ देखी जा सकती है। विधायक ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री ने सोनहत में बुडक़ी नदी पर ग्रामीणों की मांग पर पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण की घोषणा की थी जिसके लिए राशि स्वीकृत कर सरकार ने अपने वायदे को निभाया है। विधायक गुलाब कमरो ने बहुप्रतीक्षित विकास कार्य की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत एवं लोनिवि मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रति आभार व्यक्त किया।

इमरान खान की पार्टी की समर्थक खदीजा शाह गिरफ्तार

जिन्ना हाउस पर हमले की अगुवाई करने का आरोप

इस्लामाबाद,24 मई 2023। जिन्ना हाउस पर हमले के मामले में पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की समर्थक फैशन डिजाइनर खदीजा शाह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने नौ मई को जिन्ना हाउस पर हमला कर दिया था। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमले की %मुख्य संदिग्ध% खदीजा शाह को हिरासत में लिया गया है।

खदीजा शाह ने अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया, जबकि उन्होंने पहले दावा किया था कि वह खुद उनके सामने पेश होंगी। उनके पति और परिवार के अन्य सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पीटीआई प्रमुख इमरान खान को इसी महीने नौ मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद पूरे पाकिस्तान हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों ने जिन्ना हाउस में घुसकर आग लगा दी थी और कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर भी हमला किया था।

पंजाब के अंतरिम मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि सैन्य प्रतिष्ठान पर हमले के मामले में शामिल महिलाओं को हर कीमत पर गिरफ्तार किया जाएगा। %द एक्सप्रेस ट्रिब्यून% की खबर के मुताबिक,आत्मसमर्पण से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो क्लिप में शाह को यह बताते हुए सुना जा सकता है कि उनके परिवार को इन दिनों कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि वह पीटीआई की समर्थक हैं और लाहौर कोर कमांडर हाउस के बाहर प्रदर्शन का हिस्सा थीं लेकिन उन्होंने लोगों को हिंसा के लिए उकसाने सहित कुछ भी गलत करने से इनकार किया।

खदीजा शाह ने रविवार को एक वॉयस नोट जारी करते हुए कहा कि वह पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने जा रही हैं और उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। शाह ने स्वीकार किया कि उन्होंने गुस्से और भावना में सैन्य नेतृत्व के खिलाफ %अनुचित% ट्वीट किए थे, लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, %मैं पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने जा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि पिछले पांच दिन मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं।

उन्होंने कहा, %वे (अधिकारी) आधी रात को मेरे घर में घुसे और मेरे पति व पिता का अपहरण कर लिया। उन्होंने हमारे बच्चों के सामने मेरे पति के साथ मारपीट की... मेरे घरेलू नौकरों को भी यातनाएं दी गईं।

पीटीआई समर्थक ने आगे कहा कि उन्होंने किसी भी कानून या देश के संविधान का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने पिछले साल पीटीआई के कई विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया था।

शाह, डॉ. सलमान शाह की बेटी हैं जो पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की वित्तीय टीम के सदस्य थे और पंजाब में उस्मान बुजदार सरकार के दौरान सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। वह एक पूर्व सेना प्रमुख की पोती भी हैं। सेना और संघीय सरकार ने फैसला किया है कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल सभी उपद्रवियों पर पाकिस्तान सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

पीएम मोदी ने फिर उठाया ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले का मुद्दा,कहा-स्वीकार्य नहीं कोई संबंधों को

सिडनी,24 मई 2023। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में हो रहे मंदिरों पर हमले और देश में खालिस्तानियों की बढ़ती गतिविधियों पर बात की। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि हमें स्वीकार्य नहीं है कि कोई भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को ठेस पहुंचाए।

पहले भी हो चुकी है बात

पीएम मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सहयोग को लेकर कहा कि यह क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि हम पहले भी ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले और अलगाववादी तत्वों की गतिविधियों को लेकर बात कर चुके हैं। आज भी इन मुद्दों पर चर्चा की है। यह हमें स्वीकार्य नहीं है कि कोई भी अपने कार्यों या विचारधारा से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों को ठेस पहुंचाए।

कई सहयोगों पर ध्यान

बताया जा रहा है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी फैसला किया है। इससे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में काफी विस्तार होने की उम्मीद है। साथ ही दोनों पक्षों ने हरित हाइड्रोजन के क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्णय लिया है।

कार्रवाई के लिए अल्बानीज का धन्यवाद

मोदी ने ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई पीएम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अल्बनीज ने मुझे एक बार फिर आश्वासन दिया है कि वह भविष्य में भी ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

मजाक के मूड में दिखे पीएम

मोदी ने कहा कि पिछले एक साल में यह हमारी यह छठी बैठक है। यह हमारे संबंधों की गहराई को दर्शाता है। मजाकिया अंदाज में पीएम ने कहा कि अगर क्रिकेट की भाषा में कहे तो हमारे संबंध टी20 में प्रवेश कर चुका है।

नया महावाणिज्य दूतावास बेंगलुरु में होगा स्थापित

इस मौके पर दोनों पक्षों ने खनन और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग पर भी रचनात्मक चर्चा की। अल्बनीज ने घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया बेंगलुरु में एक नया महावाणिज्य दूतावास स्थापित करेगा। वहीं, वार्ता से पहले मोदी को सिडनी में एडमिरल्टी हाउस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

भारतवंशी शख्स ने व्हाइट हाउस के पास बैरिकेड से भिड़ाया था ट्रक, बोला-राष्ट्रपति बाइडन को मारना था लक्ष्य

वाशिंगटन,24 मई 2023। अमेरिका में सोमवार को एक ट्रक व्हाइट हाउस की सुरक्षा में लगे बैरीकेड से टकरा गया था, जिसकी वजह से वहां अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। हालांकि, पुलिस ने ड्राइवर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। अब बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किया गया किशोर भारतीय मूल का है। वह अमेरिका के राष्ट्रपति को मारना चाहता था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 वर्षीय भारतीय मूल के किशोर ने पहले एक यू-हॉल ट्रक को किराए पर लिया। बाद में, व्हाइट हाउस की सुरक्षा में लगे बैरीकेड में जानबूझकर टक्कर मार दी। अधिकारियों का कहना है कि किशोर ने पूछताछ में बताया है कि वह सत्ता पर कब्जा करने और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को मारने के लिए राष्ट्रपति भवन के अंदर जाना चाहता था।

होटल खाली कराए गए

घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। जहां लेफेटे स्कवायर के स्ट्रीट नंबर 16 पर यह घटना घटी। फिलहाल घटना की जांच चल रही और यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह एक हादसा ही था या फिर इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने घटना की पुष्टि की थी। व्हाइट हाउस के आसपास की सड़कें एहतियातन बंद कर दी गई थीं। व्हाइट हाउस के आसपास के कई होटल, जिनमें हे एडम्स होटल भी शामिल है, उन्हें खाली करा लिया गया।

दो बार मारी टक्कर

यूएस सीक्रेट सर्विस के एक एजेंट ने संघीय जिला अदालत में दस्तावेज पेश किए और बताया कि ट्रक के चालक की पहचान सेंट लुइस उपनगर के रहने वाले 19 वर्षीय साई वार्षिठ कंदुला के रूप में हुई। उसने जानबूझकर यू-हॉल ट्रक को व्हाइट हाउस के सामने पार्क में एक सुरक्षा बैरियर से मारा था। उसने ऐसा एक बार नहीं बल्कि दो बार किया। तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। एजेंट ने कहा कि वह घटना को अंजाम देने के मकसद से ही सेंट लुइस से डलेस आया था। इस दस्तावेज में किशोर पर खतरनाक हथियार से हमला, मोटर वाहन का लापरवाह संचालन, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को जान से मारने या अपहरण करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा उसके ऊपर राष्ट्रपति के परिवार के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचाने, संघीय संपत्ति को नष्ट करने और अतिक्रमण करने का भी आरोप लगाया गया है।

कई महीनों से बना रहा था योजना

दस्तावेज में कहा गया है कि वह करीब 6 महीने से हमले की योजना बना रहा था। इसकी पूरी जानकारी एक ग्रीन बुक में है। आरोपी का मकसद व्हाइट हाउस में प्रवेश करके सत्ता पर कब्जा करना और राष्ट्र का प्रभारी बनना था।

संपत्ति लूटने का भी आरोप

अधिकारी ने बताया कि जब आरोपी से पूछा गया कि वह सत्ता पर कैसे कब्जा करता तो उसने कहा कि मेरे रास्ते में जो भी आएगा उसे खत्म कर दूगा, चाहें वह राष्ट्रपति ही क्यों न हो। बता दें, दस्तावेज को एक आपराधिक शिकायत के साथ शामिल किया गया है। इसमें कंदुला पर अमेरिका की 1,000 डॉलर से अधिक संपत्ति की लूट का आरोप लगाया गया है।

डिफॉल्ट टालने के लिए एक-एक पैसा बचा रहा है बाइडन प्रशासन

वॉशिंगटन,24 मई 2023। अमेरिका में ऋण सीमा बढ़ाने के मसले का हल निकलने के लिए जगी उम्मीदें जल्द ही टूट गईं। सोमवार को राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात के बाद हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी के नेता केविन मैकार्थी ने संवाददाताओं से कहा था कि बातचीत 'लाभदायक' रही। लेकिन उसके बाद अपनी पार्टी की बैठक में उन्होंने कह दिया कि दोनों पक्षों में बात आगे नहीं बढ़ पाई है।

इस बीच इस खबर ने चिंता बढ़ा दी है कि अमेरिका के वित्त विभाग ने संघीय सरकार की एजेंसियों से यह पता करने को कहा है कि क्या वे अपने अगले भुगतानों को स्थगित कर सकती है। अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की एक खास रिपोर्ट के मुताबिक बाइडन प्रशासन के अधिकारी अन्य मदों में पैसा बचाने के उपाय ढूंढने में लगे हुए हैं, ताकि ऋण डिफॉल्ट को अधिकतम समय तक टाला जा सके।

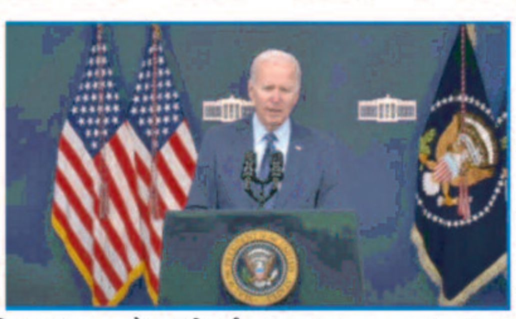

अमेरिकी मीडिया में छपी रिपोर्टों के मुताबिक वित्त विभाग के पास सोमवार को सिर्फ 57 बिलियन डॉलर की रकम बची थी। वित्त विभाग ने चेतावनी दी है कि यह रकम एक जून तक खर्च हो जाएगी और उसके बाद अमेरिका अपने कर्जों पर डिफॉल्ट करने की स्थिति में पहुंच जाएगा। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक इसीलिए बाइडन प्रशासन दूसरे मदों में खर्चों को टालने की कोशिश में है, ताकि डिफॉल्ट की अभूतपूर्व स्थिति से बचा जा सके। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर इसमें प्रशासन को सफलता मिली, तब भी वह डिफॉल्ट को कुछ दिन ही टाल पाएगा।

बताया जाता है कि राष्ट्रपति बाइडन ऋण सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर रिपब्लिकन पार्टी से सहमति बनाने के लिए कुछ और समय चाहते हैं। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) ने 31.4 ट्रिलियन डॉलर तक कर्ज लेने का प्रावधान किया था। सरकार इस सीमा तक पहुंच चुकी है। अब कांग्रेस की मंजूरी के बाद ही वह इससे अधिक कर्ज ले सकेगी। पिछले नवंबर में हुए चुनाव में कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिल गया था। रिपब्लिकन पार्टी ने ऋण सीमा बढ़ाने को मंजूरी देने के लिए यह शर्त लगाई है कि बाइडन प्रशासन जन-कल्याण की योजनाओं पर खर्च में कटौती करे। इस मुद्दे पर गतिरोध बना हुआ है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संघीय एजेंसियों को भेजे पत्र में निर्देश दिया है कि वे अपने खर्चों के बारे में वित्त विभाग को लगातार सूचना दें। सहायक वित्त मंत्री डेविड ए. लेब्रिक ने इस पत्र में कहा है कि पांच करोड़ से 50 करोड़ डॉलर की हर डिपॉजिट और खर्च की जानकारी वित्त विभाग को भेजी जाए।

वित्त विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में कहा है कि ऋण सीमा संबंधी सही अनुमान लगाने के लिए यह जरूरी है कि संघीय एजेंसियों के हर भुगतान की ताजा जानकारी वित्त विभाग के पास रहे। इस बीच वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने सांसदों को लिखे एक पत्र में कहा है कि कांग्रेस को एक जून तक ऋण सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित करना होगा। उन्होंने कहा है कि वित्त विभाग अधिक से अधिक जून के 'शुरुआती दिनों' तक ही डिफॉल्ट टालने की स्थिति में है। अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट के विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह तारीख संभवतः आठ या नौ जून होगी, जिस रोज अमेरिका आधुनिक इतिहास में पहली बार डिफॉल्ट करने पर मजबूर हो

ऑस्ट्रेलियाई और पापुआ न्यू गिनी के क्व्को बाइडन का आमंत्रण,प्रशांत शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे अल्बनीज

वाशिंगटन, 24 मई 2023। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने आगामी बैठक के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मरापे को आमंत्रित किया है। यह जानकारी इंडो-पैसिफिक के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद निदेशक ने दी।

डॉ मीरा रैप-हूपर का कहना है कि बाइडन ने अल्बनीज को अमेरिका आने के लिए आमंत्रित किया, जिसको ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने मौके पर ही स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि हिरोशिमा में जब दोनों नेता एक दूसरे से मिले तो उन्होंने आगामी बैठक पर चर्चा की। वहीं, मरापे को लेकर हूपर ने कहा कि बाइडन ने उन्हें दूसरे प्रशांत शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अमेरिका में आमंत्रित किया है।

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी की अपनी एशिया यात्रा के दूसरे नियोजित चरण को हाल ही में रद्द किया था। बताया जा रहा है कि अमेरिकी डिफॉल्ट को रोकने के लिए एक समझौते करना जरूरी है। इस बीच अल्बनीज और मरापे को निमंत्रण देने की खबर सामने आई है।

हूपर ने कहा कि राष्ट्रपति की यात्रा को रद्द करना पहले से निर्धारित नहीं था। लेकिन राष्ट्रपति ने यह महसूस किया कि कर्ज की सीमा से उत्पन्न आर्थिक स्थिति से निपटने के लिए उन्हें घर लौटना होगा।

विमान से छोटी दूरी की यात्रा पर अब प्रतिबंध, मैक्रों सरकार के इस फैसला का क्या है कारण

पैरिस , 24 मई 2023। फ्रांस सरकार ने कार्बन की रोकथाम के लिए एक नया फैसला लिया है, जिससे विमान उद्योग में खलबली सी मच गई है। मंगलवार को फ्रांस ने छोटी दूरी की यात्रा के लिए हवाई जहाज पर रोक लगा दी है। एक विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस सरकार ने फैसला किया है कि जिन यात्रा में ट्रेन में ढाई घंटे से कम समय लगता है, उन यात्राओं को अब फ्लाइट से नहीं किया जा सकता।

ट्रेनों को बेहतर बनाने पर जोर

फ्रांस के परिवहन मंत्री क्लेमेंट ब्यून ने एक इंटरव्यू में बताया कि कार्बन को कम करने के लिए यह एक आवश्यक और महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने जिंदगी से कार्बन के इस्तेमाल को कम करना चाहते हैं, इसलिए छोटी दूरी के लिए हवाई यात्रा सही नहीं है। छोटी दूरी की यात्रा ट्रेन से तेज और नियमित है। नए कानून के अनुसार, ट्रेन की सेवाओं को प्रतिबद्ध किया जा रहा है। कानून के अनुसार, यह सुनिश्चित किया जा रह है कि ट्रेन सेवाएं सभी छोटे रूटों पर हो, जो समय पर यात्रियों को मिल सके। नए कानून में ध्यान रखा गया है कि छोटी यात्रा करने वाले यात्रियों को उसी रूट पर आठ घंटे बाद दोबारा ट्रेन मिल सके, जिससे वह वापस आ सकें।

विमान उद्योग ने जताई आपत्ति

पर्यावरण को स्वच्छ करने के लिए सरकार छोटी यात्राओं के लिए जेट के इस्तेमाल पर भी रोक लगा रहा है। यूरोपियन फेडरेशन फॉर क्लीन ट्रांसपोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, कमर्शियल उड़ानों की तुलना में एक जेट प्रति व्यक्ति 14 गुना अधिक प्रदूषण करता है। वहीं ट्रेन की तुलना में प्रदूषण 50 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सरकार के इस फैसले से विमान उद्योग परेशान है। विमानों के एक समूह एयरलाइंस फॉर यूरोप के अंतरिम प्रमुख लॉरेंट डोनसेल ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कार्बन की रोकथाम के लिए सरकार के इस फैसले से न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा। सरकार को प्रतिबंध के बजाए कोई ठोस और वास्तविक समाधान करना चाहिए।

पाकिस्तान में अब आ गई है इमरान खान की अग्नि-परीक्षा की घड़ी

इस्लामाबाद,24 मई 2023। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को तोड़ कर उन्हें अलग-थलग करने की रणनीति में वहां की सेना को बड़ी सफलता मिली है। यह चर्चा पिछले नौ मई के बाद ही जोर पकड़ गई थी कि 'एस्टैबलिशमेंट' (सेना+खुफिया नेतृत्व) अब राजनीति में इमरान खान के लिए कोई जगह न छोड़ने पर आमादा हो गया है। नौ मई को खान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के दौरान सेना के ठिकानों और प्रतीक चिह्नों पर जगह-जगह हमले किए गए।

दस मई से इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर कहर टूटा हुआ है। बड़े नेताओं सहित हजारों पार्टी समर्थकों को जेल में डाला गया है। इस बीच कुछ बड़े नेताओं को कोर्ट से जमानत मिलने के तुरंत बाद कानून की किसी न किसी दूसरी धारा के तहत गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि बड़े नेताओं को हिरासत के दौरान यातना दी गई और उन्हें डराया-धमकाया गया। इसका असर कुछ दिन पहले दिखने लगा था, जब पीटीआई छोड़ने वाले नेताओं की संख्या बढ़ने लगी।

मंगलवार को पीटीआई को जबरदस्त झटके लगे, जब पार्टी के कई बड़े नेताओं ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। इमरान खान को ज्यादा झटका इस बात से लगा है कि कुछ रोज पहले तक उनके साथ अंत तक बने रहने का एलान करने वाले कुछ नेताओं ने मंगलवार को पार्टी छोड़ते वक्त पूर्व प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इमरान खान पार्टी और उसके नेताओं को देश की जनता के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

जिन नेताओं ने पीटीआई छोड़ दी है, उनमें शिरीन मजारी, फयाजुल हसन चौहान, जमीन अहमद शरकपुरी, मकदूम इफ्तिखारुल हसन गिलानी, अब्दुल रज्जाक खान नियाजी, बिलाल अहमद गफ्फार और उमर उमरी शामिल हैं। इन सबने पार्टी छोड़ते वक्त सेना और सरकार की संस्थाओं तथा प्रतीकों पर हमलों की कड़ी निंदा की।

कुछ खबरों में बताया गया है कि एस्बैटबिशमेंट ने इमरान खान के सामने भी यह विकल्प रखा है कि वे नौ मई की हिंसा की निंदा करें और सुरक्षित विदेश चले जाएं। उनसे कहा गया है कि ऐसा ना करने पर उन्हें बाकी जिंदगी जेल में गुजारनी पड़ सकती है। इस सिलसिले में राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की इस सार्वजनिक सलाह को अहम माना गया है कि इमरान खान को नौ मई की हिंसा की निंदा करते हुए उस रोज की घटनाओं पर अफसोस जताना चाहिए।

पीटीआई नेताओं ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में अपना नाम ना छापने की शर्त पर बताया है कि उन्हें 'ताकतवर हलकों' से ऐसे संदेश मिल रहे हैं कि वे पीटीआई तुरंत छोड़ दें। विशेषज्ञों का कहना है कि जो हालात बन गए हैं, उनमें सबसे बड़ी भूमिका अदालतों की बन गई है। अगर उनसे इमरान खान और पीटीआई को संरक्षण नहीं मिला, तो पीटीआई के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा।

कोरिया जिले की 25 वीं वर्षगांठ पर घटती-घटना विशेष

25 वर्ष में ही नेस्तनाबूद हो गया अविकसित कोरिया जिला

» कांग्रेस की दिग्विजय सरकार में हुआ था गठन और कांग्रेस की भूपेश सरकार ने ही कर दिया विभाजन

» भूपेश सरकार के निर्णय से कोरियावासियों में निराशा का माहौल

» स्व.डॉ.रामचंद्र सिंहदेव कोरिया जनक के तौर पर जाना जाता है..क्या उनकी भतीजी को कोरिया को नेस्तनाबुद के लिए जाना जाएगा?

कोरिया जनक

क्या कोरिया विभजन की वजह?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,24 जुलाई 2023
(घटती-घटना)।

25 मई 1998 का वह ऐतिहासिक दिन जब कोरिया वासियों की वर्षो पुरानी मांग पूरी हुई थी, छत्तीसगढ राज्य गठन के ठीक दो वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश के तात्कालिक मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जब जिला निर्माण की घोषणा की तब कोरिया को जिला और बैकुंठपुर को मुख्यालय घोषित किया गया था। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है कि कोरिया जिले का निर्माण कांग्रेस की सरकार ने ही किया था और अब कोरिया का विभाजन भी कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने ही कर दिया। जिला निर्माण की खुशी से ज्यादा अब कोरिया वासी जिला विभाजन का दंश झेल रहे हैं,बीते 25 वर्षो में कोरिया जिले ने राजनैतिक कारणो से उतना विकास नही किया जितना कि काफी कम समय में प्रदेश के दूसरे नये जिले ने कर लिया है। अपने बाल्यकाल में ही कोरिया वासियों के सपने को चकनाचूर का सारा श्रेय अब वर्तमान प्रदेश सरकार को ही जाता है। आज 25 मई 2023 को यह जिला अपने निर्माण की 25वीं वर्षगांठ मनाने की ओर अग्रसर है इस अवसर पर तब से लेकर आज तक की वास्तविक स्थिति पर घटती-घटना का विशेष विश्लेषण।

कोरिया की भौगोलिक स्थिति

कोरिया जिले की शासकीय वेबसाईट से प्राप्त जानकारी के तहत जिले का क्षेत्रफल 2001.779 वर्ग किमी, जनसंख्या 658917, साक्षर दर 70.06 प्रतिशत, ब्लॉक 2,तहसील 4,आबादी ग्राम 286 व नगरीय निकायों की संख्या 2 है। वहीं खड़गवां ब्लांक के 36 गांव को कोरिया जिले में यथावत रखा गया है,जिले के बैकुंठपुर अनुविभाग अंतर्गत नवीन तहसील पोड़ी बचरा को शामिल किया गया है,इससे पहले बैकुंठपुर व पटना तहसील थे। पर्यटन की दृष्टि से एकमात्र झुमका जलाशय और गुरूघासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र का कुछ भाग कोरिया जिले मे शेष रह गया है। खनिज के मामले में एसईसीएल अंतर्गत चरचा,कटकोना,पांडोपारा कालरी क्षेत्र कोरिया जिले में शामिल हैं।

चकनाचूर हो गया कोरिया कुमार के सपनों का कोरिया

यह सर्वविदित है कि कोरिया जिले की स्थापना से लेकर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर बनाने में पूर्व वित्तमंत्री डॉ.रामचंद्र सिंहदेव का ही पूरा सहयोग था। जिला निर्माण के समय बहुत ही भयावह स्थिति उत्पन्न हो गइ थी, लेकिन स्व कोरिया कुमार की राजनैतिक शक्ति के आगे कोरिया और खासकर मुख्यालय बैकुंठपुर पर कुछ खासा प्रभाव नही पड़ा था। यह कहा जा सकता है कि जिला निर्माण का सारा श्रेय कोरिया कुमार को ही जाता है। अपने जीवित काल में उन्होने कोरिया के विकास को लेकर चिंता की,पानी पर उनका विशेष फोकस देखने को मिलता था ऐसा लगता था जैसे यह कोरिया जिला उनके सपनों का जिला था

जिला और यहां के निवासियों के प्रति विशेष लगाव इस ओर काफी हद तक ईशारा भी करते हैं। समय के साथ साथ तस्वीर काफी बदली, 1998 में जिले के निर्माण के बाद वर्ष 2000 में छत्तीसगढ राज्य का निर्माण हो गया। 15 वर्षो तक भाजपा की सरकार रही लेकिन उसके बावजूद कोरिया जिले पर तनिक सी आंच नही आई। एक लंबी राजनैतिक पारी के बाद कोरिया कुमार का निधन हुआ और उसके बाद कोरिया कुमार की भतीजी के रूप मे प्रचार करते हुए वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव ने स्थानीय नागरिकों के मन में कोरिया कुमार के सपनों को पूरा करने का एक बीज बोया और उसमें सफलता हासिल हुई। कोरिया वासी भी काफी आशान्वित थे। लेकिन इसी बीच प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जिले के विभाजन की घोषणा कर दी,वह भी असंतुलित विभाजन। जिला विभाजन के समय जो सबसे विभत्स तस्वीर सामने आई वह यह कि जब कोरिया वासी दर्द में डूबे थे तब स्थानीय विधायक नए जिले के विधायक को सार्वजनिक स्थल पर मीठा खिलाते हुए नजर आईं। स्व कोरिया कुमार की गैर मौजूदगी में कोरिया क्षत विक्षत हो गया ,संभावनाओं ने निराश का रूप ले लिया। और यह कहा जा सकता है कि कोरिया कुमार के सपनो का कोरिया आज चकनाचुर हो गया।

2000 के बाद हुए हर क्षेत्र में विकास कार्य लेकिन आज भी सुविधाओं की है कमी

जिले का निर्माण वर्ष 1998 में हुआ और राज्य का निर्माण वर्ष 2000 में। राज्य निर्माण के बाद देखा जाए तो विकास के कार्य काफी हुए। बिजली,सड़क,पुल,पुलियों से लेकर स्कूल, आंगनबाड़ी का निर्माण एवं स्वास्थ्य सुविधाओ में काफी बढोत्तरी हुई। आम जन के लिए प्रशासन तक पहुंच भी आसान हुई। लेकिन 25 वर्ष का समय एक लंबा समय होता है और यदि दूसरे जिलों की तुलना करें तो देखने में आता है कि यहां उतने कार्य नही हो सके जितने होने थे। आज भी स्वास्थ्य सुविधा दम तोड़ रही है,उपचार के लिए बाहर जाना मजबूरी है। अच्छे शैक्षणिक संस्थानों की कमी के कारण लोग यहां से पलायन करना ही सही समझते हैं लोगो के पास रोजगार के अवसर नही हैं। स्व रोजगार में भी लोग रूचि नही ले रहे है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि लोगो का जीवन स्तर आज भी यहां नीचा है।

जनप्रतिनिधियों की उदासिनता भी है अविकसित कोरिया के लिए जिम्मेदार

आज कोरिया जिला विकास की राह देख रहा है,आखिर कब तक। अन्य किसी भी मुद्दे पर सभी प्रमुख विपक्षी दलो को एक होते देखा गया लेकिन जिले के विकास के मुद्दे पर कभी भी किसी दल और नेता को बात करते नही सुना गया। वर्ष 2008 तक स्व कोरिया कोरिया कुमार ही यहां के विधायक रहे,उन्होने सौगातें तो कई दी लेकिन जिले से बड़ा सौगात उनके कार्यकाल में कुछ नही हो सकता। इसके बाद भाजपा सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2008 और 2013 में भैयालाल राजवाड़े विधायक निर्वाचित हुए पहले कार्यकाल में श्री राजवाड़े को संसदीय सचिव और फिर दूसरे कार्यकाल में तीन वर्ष के लिए केबिनेट मंत्री का पद दिया गया। अपने कार्यकाल में भैयालाल राजवाड़े ने लोगो का व्यक्तिगत काम तो बहुत किया उनके हर दुख सुख में शामिल हुए लेकिन विकास के बड़े काम न होना उनकी अनुपलब्धि ही मानी जाती है। प्रदेश का खेल मंत्री होकर भी जिला मुख्यालय मे एक स्टेडियम न बनवा पाना उनकी विफलता है। अब वर्ष 2018 से कोरिया कुमार की भतीजी अंबिका सिंहदेव विधायक निर्वाचित होकर संसदीय सचिव के रूप में काम कर रही हैं उनके समर्थक खुद के लिए भले ही विकास कार्य कराने का ढिंढोरा पीट रहे हो लेकिन यह सच है कि उनके कार्यकाल में कोरिया जिले का विभाजन एक आम नागरिक कभी भी नही भूल पाएगा। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से आज कोरिया जिले का भविष्य अंधकारमय हो गया है।

जिला विभाजन कोरिया वासियों के साथ छलावा,राजनीति का शिकार हुआ जिला

25 वर्ष के युवावस्था में ही कोरिया जिले का विभाजन बिना कोई सलाह मशवीरा के भूपेश बघेल सरकार ने कर दिया। जिले की जनता ने अविभाजित कोरिया जिले की तीनो सीटों पर कांग्रेस को जीत दिलाई थी। नागरिकों को सरकार से बहुत ही उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने कोरिया वासियों के साथ एक छलावे की राजनीति कर दी। एमसीबी जिले का निर्माण तो कर दिया स्थानीय जनों ने विरोध भी किया लेकिन इस बात का नही कि एमसीबी जिले का निर्माण क्यों किया बल्कि इस बात का कि कोरिया का असंतुलित विभाजन क्यों किया गया। नागरिको के मन में आज भी एक पीड़ा है,स्थानीय जन सरकार के इस निर्णय के प्रति काफी दुखी हैं,युवा वर्ग आगे के अपने भविष्य को लेकर चिंतित दिखलाई दे रहा है। बतलाया जाता है कि जब जिले का निर्माण हुआ उस दौरान सरगुजा संभाग के कद्दावर नेता केबिनेट मंत्री टीएस सिंहदेव और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच आपसी खींचतान मची हुई थी। इसी बीच कोरिया की राजनीति में अपना स्थान रखने वाले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने एक सोची समझी चाल के तहत एमसीबी जिले के निर्माण में अपनी मुख्य भूमिका निभाई,पिछले दो लोकसभा चुनाव में कोरिया जिले से महंत परिवार को हार का ही सामना करना पड़ा है,इस बार भले ही श्रीमती ज्योत्सना महंत सांसद निर्वाचित हो गई हैं लेकिन कोरिया जिले से लगभग 40 हजार मतो से वे पीछे रहीं। जानकार बतलाते हैं कि अपनी पकड़ एमसीबी जिले में मजबूत करने और भविष्य की राजनीति के लिए चरणदास मंहत ने भरतपुर और मनेंद्रगढ विधायक के साथ मिलकर कोरिया को नेस्तनाबुद करने में प्रमुख भूमिका निभाई। यह कहा जा सकता है कि कोरिया जिला राजनीति का शिकार हो गया। यह अलग विषय है कि जिले की बर्बादी के बाद एमसीबी जिले के उद्घघाटन मे स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव समेत कई कांग्रेसी शामिल हुए और श्रीमती सिंहदेव ने एमसीबी में मनेंद्रगढ का नाम अपने पिता के नाम पर होने का गर्व महशूस करते हुए लाभ लेने की कोशिश की।

विभाजन के बाद आज भी बनी हुई है प्रशासनिक अस्थिरता

कोरिया जिले का असंतुलित विभाजन कर आज भले ही एमसीबी जिले का निर्माण कर दिया गया लेकिन आज भी दोनो जिले में प्रशासनिक अस्थिरता बनी हुई है सबसे बड़ा सवाल आज भी बैकुन्ठपुर अनुविभाग में शामिल पोड़ी बचरा तहसील क्षेत्र की उन ग्राम पंचायतो को लेकर हैं जिनका विकासखंड जनपद पंचायत खंड़गवा है। मतलब कि इन क्षेत्रो में राजस्व के सारे काम कोरिया जिले से हो रहे हैं और बाकी के अन्य कार्य खड़गवां जनपद पंचायत से। चुंकि विकासखंड का बंटवारा सिर्फ केन्द्र सरकार ही कर सकती है,यह राज्य सरकार का विषय नही है। और केन्द्र सरकार से किसी भी विकासखंड का बंटवारा कराना आसान काम नही है इसलिए अभी इस क्षेत्र के निवासियों को काफी समय तक संघर्ष करना पड़ेगा यह क्षेत्र के भविष्य का सवाल है जिस पर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि चुप हैं।

सरकार की हठधर्मिता और स्थानीय विधायक की कमजोरी आई सामने

जिला के विभाजन के बाद आक्रोश व्यक्त करते हुए स्थानीय नागरिकों ने कोरिया बचाव मंच के बैनर तले एक लंबा आंदोलन किया मंच के सदस्यो की मांग की थी कि इसका असंतुलित विभाजन न किया जाए,और कम से कम खडगंवा विकासखंड को कोरिया जिले में ही रहने दिया जाए। कोरिया गढ पहाड़ के नाम से ही कोरिया जिले के का नाम होने की बात कहते हुए इसे भी कोरिया जिले में शामिल करने को लेकर शासन के समक्ष अनेक आपत्तियां पेश की गई। प्रतिनिधि मंडल ने राजधानी जाकर स्थानीय विधायक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात भी किया था,मुख्यमंत्री निवास में बेइज्जत होकर प्रतिनिधि मंडल को वापिस आना पड़ा था लेकिन इसके बाद भी लोगो को उम्मीद थी कि उनके साथ न्याय होगा लेकिन भूपेश सरकार ने लोगो के साथ अन्याय ही किया अपने मन मुताबिक आपत्तियों का निराकरण अपने हिसाब से करते हुए अंततःकोरिया जिले का असंतुलित विभाजन कर ही दिया। जिसका खामियाजा अब लंबे समय तक यहां के युवाओं,व्यापारियों समेत हर वर्ग को भुगतना पड़ेगा।

जिला मुख्यालय की गरिमानुरूप नही हुआ बैकुंठपुर का विकास

जिस प्रकार किसी भी राज्य में राजधानी का विकास देखने लायक होता है उसी प्रकार जिले में जिला मुख्यालय का विकास एक माडल के रूप में होता है। आज जिला मुख्यालय बने 25 वर्षो का समय व्यतीत हो गया लेकिन यह कहने में कतई संकोच नही है कि यहां का विकास भी जिला मुख्यालय की गरिमानुरूप नही हो पाया। किसी भी जिले के विकास में स्थानीय विधायक और प्रशासनिक प्रमुख कलेक्टर के नेतृत्व में विकास का एक रोडमैप तैयार किया जाता है फिर उसके बाद उसके हिसाब से कार्य कराये जाते हैं। लेकिन इसे दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि आज तक न तो विकास की दिशा में जनप्रतिनिधियों ने ध्यान दिया और न ही किसी प्रशासनिक प्रमुख ने। सभी ने अपना कार्यकाल पूरा किया लेकिन जिला मुख्यालय का विकास वहीं का वहीं रह गया। न अच्छी सड़के, न स्वास्थ्य सुविधाएं न शुद्व पेयजल की व्यवस्था। कहा जाए तो आज भी जिला मुख्यालय विकास की बाट जोह रहा है। स्थानीय व्यापारियों की गंदी सोच भी मुख्यालय का विकास न होने देने में काफी है। आज मुख्यालय में नागरिक चैड़ी सड़को के लिए तरस रहे हैं लेकिन तमाम दावो के बाद भी चैड़ीकरण न होना प्रशासन के ईरादे पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। यह कहना भी कहीं से गलत नही है कि मुख्यालय के विकास में प्रशासनिक प्रमुखों ने भी कोई विशेष रूचि नही ली। आज जरूरत है कोरिया के अस्तित्व के विषय में एक रणनीति बनाकर काम करने की,जरूरत है विपक्षी दलों को विकास के लिए राजनीति से ऊपर उठकर सोचने की। जरूरत है स्थानीय नागरिक और खासकर युवाओं को अपने हक के लिए आगे आने की और जरूरत है व्यापारियों को गंदी मानसिकता छोड़कर एक मिशाल पेश करने की,तभी कोरिया जिले का विकास हो सकता है अन्यथा वह दिन दूर नही जब कोरिया जिला छत्तीसगढ के नक्शे में मात्र एक जिला के रूप में जाना जाएगा। और कुमार साहब के सपनों का कोरिया ध्वस्त हो जाएगा।

विधि विरुद्ध हुई जमीन की रजिस्ट्री..निरस्त करने व जान बुझ कर शासन को गुमराह करने के संबंध में रामचरित ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

विधि विरुद्ध हुई जमीन की रजिस्ट्री निरस्त करने व जान बुझ कर शासन को गुमराह करने के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता रामचरित द्विवेदी ने कलेक्टर एमसीबी को ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए त्वरित कार्यवाही का अनुरोध किया है, कलेक्टर एमसीबी को सौपे गए अपने ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि रघुनाथ पोद्दार आ.स्वर्गीय बनवारी लाल पोद्दार निवासी वार्ड क्र.12 विवेकानंद चौक मनेंद्रगढ़ को पदम कुमार अग्रवाल आ.स्वर्गीय गोविंद कुमार निवासी मनेंद्रगढ़ द्वारा लालपुर स्थित खसरा नंबर 152 /3 भूमिका मुक्तियार आम नियुक्त किया गया था, यह कि मुख्तियार ग्राहता रघुनाथ पोद्दार आ. स्वर्गीय बनवारी लाल पोद्दार द्वारा व्यक्तिगत लाभ हेतु अपनी स्वयं की कृष्णा डेवलपर पता आकाशदीप विवेकानंद चौक मनेंद्रगढ़ को रजिस्ट्री की गई जो विधि विरुद्ध है, रघुनाथ पोद्दार द्वारा अपने स्वयं के नाबालिग पुत्र आदित्य पोद्दार को जमीन की रजिस्ट्री के समय गवाह के रूप में शामिल किया गया है जो कि विधि विरुद्ध है, जिस तिथि 19 जुलाई 2021 को हस्तांतरण पत्र विक्रय विलेख का निष्पादन कराया गया उस तारीख को गवाह आदित्य पोद्दार आ. रघुनाथ पोद्दार बालिग नहीं था.भूमि क्रय संबंधी दस्तावेजों में लगाए एक आधार कार्ड में आदित्य पोद्दार की जन्म तिथि 4 अगस्त 2003 उल्लेखित है और भूमि का विक्रय 19 जुलाई 2021 को किया गया है इससे साफ है कि पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की मिलीभगत से स्वयं का मुख्तारआम बनवाकर अपने नाबालिग बेटे को गवाह बना कर अपनी फर्म को जमीन बेचकर लाभ पहुंचाया गया है जो विधि विरुद्ध है, इसके अलावा जो रजिस्ट्री की गई है उसमें 152 /3 का उल्लेख है लेकिन पावर ऑफ अटॉर्नी में 152 /3 का कहीं जिक्र ही नहीं है, श्री द्विवेदी ने इस संबंध में उक्त प्रकरण की जांच कर दोषी पाए जाने पर क्रेता के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए जमीन की रजिस्ट्री निरस्त करने का अनुरोध किया है।

भाजपा के गौठान पर आरोप से समूह की महिलाएं और सरपँच हुए नाराज,जनपद सीईओ को भेजा निंदा प्रस्ताव

» भाजपा के पदाधिकारियो के गौठान पर आरोप से समूह की महिलाओं में भारी आक्रोश

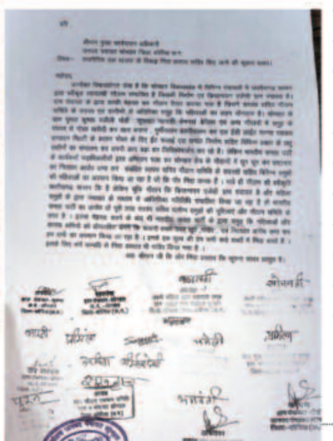

- संवाददाता -
कोरिया सोनहत,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाये गौठान के पोल खोल अभियान का असर क्षेत्र में उल्टा पड़ता दिखाई दे रहा है आलम है कि भाजपा पदाधिकारियों के द्वारा गौठान के निरीक्षण और विभिन्न और निरीक्षण के दौरान लगाए जा रहे विभिन्न प्रकार के आरोपों से अब सरपंचों एवं महिला समूहों की पदाधिकारियों में भारी नाराजगी का आलम निर्मित होने लगा है । नाराजगी इस कदर की सबने मिलकर निंदा प्रस्ताव भी पारित कर दिया जिसकी सूचना जनपद पंचायत सोनहत को भी दिया जाने की जानकारी मिली है ।वही इस सम्बंध में जब समूह की महिलाओं व सरपंचों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सोनहत विकासखंड में विभिन्न पंचायतों में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत स्वावलंबी गौठान संचालित है जिसकी निर्माण एवं क्रियान्वयन एजेंसी ग्राम पंचायत है। ग्राम पंचायत के द्वारा काफी मेहनत कर गौठान तैयार कराया गया है जिसमें सरपंच सचिव गौठान समिति के सदस्य एवं ग्रामीणों के अतिरिक्त समुह कि महिलाओं का अहम योगदान है। सोनहत के ग्राम घुघरा कुषहा रजौली पोड़ी कुषमहा नटवाही केषगवा बेलिया एवं अन्य गौठानों में समुह के माध्यम से गोबर खरीदी कर खाद बनाना, मुर्गीपालन बकरीपालन कर एल ईडी लाईट मरम्मत मशरूम उत्पादन मिट्टी के बरतन गोबर के दिए ईंट फलाई एस चप्पल निर्माण सहित विभिन्न प्रकार के लघु उद्योगों का संचालन कर अपनी आय बढ़ा कर जिविकोपार्जन कर रहे है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारीयों द्वारा अभियान चला कर सोनहत क्षेत्र के गौठानों में घूम घूम कर भ्रष्टाचार का निराधार आरोप लगा कर संबंधित सरपंच सचिव गौठान समिति के सदस्यों सहित विभिन्न समुहों की महिलाओं का अपमान किया जा रहा है जो कि घोर निंदा जनक हैं। भले ही गौठान की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन कि है लेकिन गौठान कि क्रियान्वयन एजेंसी ग्राम पंचायत है और महिला समुहों के द्वारा पंचायत के माध्यम से आजिविका गतिविधि संचालित किया जा रहा है तो महिलाओं का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी का आरोप तो पूरी तरह ग्राम पंचायत सरपंच , ग्रामीण समूहों की महिलाएं और गौठान समिति के उपर है। ठंडी बरसात गर्मी सभी सिजनो मे इतना मेहनत करने के बाद कई गतिविधि संचालित कर रहे है जिससे उनका व उनके परिवार का जीविकापार्जन हो रहा है आय में बढ़ोत्तरी हो रही है लेकिन भारतीय जनता पार्टी के द्वारा समुह कि महिलाओं और सरपंच सचिवों को प्रोत्साहित करने कि बाजाए हमारे उपर झूठे गंभीर एवं निराधार आरोप लगा कर हम सभी का अपमान किया जा रहा है। इनके इस कृत्य की हम सभी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं । इसके लिए सर्व सम्मति से निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया है।

सरपंच संघ ने भी जताई नाराजगी

भाजपा पदाधिकारियों के द्वारा सोनहत क्षेत्र में गौठान के निरीक्षण के नाम पर अनर्गल आरोप लगाए जाने के कारण सरपँच संघ ने भी नाराजगी जताई है सरपँच संघ के संभागीय अध्यक्ष एवं सरपँच ग्राम पंचायत पोड़ी बहादुर कमलवंशी ने कहा कि समूह की महिलाएं गौठान में आयोजित गतिविधि से अपनी आय बढ़ा रही है यहां पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाना सीधे सीधे सरपंचों व महिलाओं का अपमान है इसे बर्दास्त नही किया जा सकता। क्षेत्र के अधिकाश सरपंचों ने अपनी नाराजगी जाहिर किया है।

कोयला चोरी की सूचना आईजी को देने पर कोल माफियाओं ने दी धमकी आईजी से हुई शिकायत

» अवैध कारोबार में संलिप्त कारोबारी धमकी देने से भी बाज नहीं आ रहे

- रवि सिंह -
चिरमिरी,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

अवैध कारोबार में संलिप्त कारोबारियों को स्थानीय पुलिस का इस कदर संरक्षण मिल बैठा है कि वह खुलेआम उनके कारोबार में बाधा बनने वालों को धमकी देने लगे, जागरूक नागरिक जहां इनके [illegible] रहे हैं और इनके कारोबार के रोड़ा बन रहे हैं उन्हें धमकियां दी जा रहे हैं जिसकी शिकायत सरगुजा आईजी से की गई है।

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रदीप कुमार सलूजा सरगुजा आईजी को पत्र लिखकर कहा कि चिरिमिरी थाने के अंतर्गत आपके सख्त निर्देश के बाद कोल माफिया के द्वारा कोयला चोरी के काम पर अंकुश लगा था, परन्तु कल दिनांक को मुझे सूचना मिली थी कि कुरासिया कालरी के पुराने कोल स्टॉक के पास से दो तीन ट्रेक्टर दिन दहाड़े कोयला भर रहे है,पत्रकार राजन सिंह के साथ उस [illegible] मजदूरो से लोड कर रहे थे, तब उसी स्थान से आपको एवं पुलिस अधीक्षक कोशिमा साहब को खबर दी गयी लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही कोल माफिया के गुर्गे ट्रेक्टर में भरा कोयला पलट कर भाग गए, आईजी द्वारा अवैध कार्यो के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा तो रहा है लेकिन चिरिमिरि थाने में ऐसा स्टॉप बैठा है जो उनको पूरा पूरा सहयोग करता है और आपके निर्देशों की धज्जियां उड़वाता है सबसे आश्चर्य जनक बात तो यह है कि चिरिमिरी की आम जनता को मालूम है कि कोल माफिया दिन दहाड़े कोयला चोरी [illegible] को जान से मारने की धमकी भी देता है,

लेकिन सबसे दुखद बात तो यह है कि चिरिमिरी पुलिस को कुछ भी मालूम नही रहता है, विश्वस्त सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है कि कोल माफिया के लोग दिन दहाड़े बचरा पौड़ी, अमरपुर, बैकुंठपुर के भट्ठो में चिरिमिरी पुलिस के सरंक्षण 407 गाड़ी जो मिनी ट्रक होती है डेली 5 से 6 ट्रिप कोयला भेज रहा है, क्या इस बात को मान कर चला जावे की वो अपने दायित्व का निर्वहन ना करते हुए माफिया के साथ सलंग्न है और कोल माफिया के हौसले इतने बुलन्द है कि कल रात बड़ा बाजार थाने के सामने शराब पीकर मेरा सर धड़ से [illegible] ऐसी धमकी दे रहे थे, आज जब मैं चिरिमिरी थाने टीआई साहब को बताने गया तो बहुत हल्के में लेते हुए उन्होंने कहा कि देखता हूं महोदय मैं कल अवैध कोयला माफिया अशोक खटीक एवम उसके साथी द्वारा दी गयी धमकी से अत्यधिक भयभीत हूँ एवम घर से बाहर अपने निजी काम से भी बाहर नही जा रहा हूँ, क्योंकि चिरिमिरी पुलिस के सरंक्षण में कॉल माफिया के गुंडों का मन बढ़ा हुआ है मेरे साथ कभी भी जान लेवा वारदात कर सकते है, चिरिमिरी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक संदीप बागीस ही अवैध कार्य करने वालो का सरदार बताया [illegible] कोल माफिया के विरुद्ध होने वाली कार्यवाही से पहले ही उनको अवगत कराने का काम संदीप बागीस ही करता है। चिरमिरी थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक संदीप बागी लंबे समय से एक ही थाने में पदस्थ है और उसे सभी जानते हैं जिस वजह से जो भी थाना प्रभारी आता है वह उसके करीबी हो जाता है क्योंकि सारी पैसे कमाने की जानकारी उसी से मिलती है और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों तक पुलिस की जानकारी भी उन तक पहुंच जाती है जिससे वह समय से पहले सतर्क हो जाते हैं यही कारण है कि उन्हें [illegible]

पोंड़ीडीह से सकड़ा जरौधा मार्ग पर बरदर डेम के वेस्ट वियर के ऊपर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य बिना मापदंड के होने का आरोप

» उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य में नहीं है लगाया गया है आर एम सी प्लांट और ठेकेदार करोड़ों की लागत के पुल का करा रहा है धड़ल्ले से निर्माण

» लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ के अधिकारियों को जानकारी है कि बिना आर एम सी प्लांट के ठेकेदार को नहीं कराया जाना है पुल निर्माण कार्य उसके बाद भी हो रहा है पुल का निर्माण कार्य

- राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 24 मई 2023
(घटती-घटना)।

पोडीडिह से सकडा जरौधा व्हाया बरदर से जाने वाले रास्ते पर ग्राम बरदर में निर्मित डैम के बेस्ट वियर के ऊपर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जा रहा है जिसमे जो निर्माण कार्य कि सामाग्री का उपयोग किया जा रहा है वो गुणवत्ता विहीन उपयोग किया जा रहा है 20 एम एम गिट्टी का उपयोग भी गुणवत्ता विहीन किया जा रहा है 20 एम एम की जगह पर 25 एवं 30 एम एम गिट्टी का एवं जिस ग्रेड और गुणवत्ता के सीमेंट का उपयोग किया जाना है वो नहीं किया जा रहा है और धडल्ले से ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता विहीन बिना ग्रेड सीमेंट का उपयोग सीमेंट कंक्रीट तैयार कर निर्माण कार्य किया जा रहा है

इस निर्माणाधीन पुल की लागत संबंधित किसी प्रकार का कोई सूचना पटल नहीं लगाया गया है जिससे ग्रामीणों को सही जानकारी उपलब्ध हो सके की इस उच्च स्तरीय पुल की लागत क्या है क्या लम्बाई है क्या समय अवधि में निर्माण कार्य पूर्ण होना है और अन्य जानकारी प्राप्त हो सके।

करोड़ों रुपये की लागत के पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट के किया जा रहा है...

इस करोड़ों रुपये की लागत से निर्माण हो रहे पुल के लिए आर एम सी प्लांट से गिट्टी रेत सीमेंट पानी बराबर मात्रा में मिश्रित होकर अजकस मशीन के द्वारा प्लांट से मिश्रित कंक्रीट से ढलाई किया जाना है मगर यहां पोंड़ीडीह से सकड़ा जरौधा व्हाया बरदर मार्ग पर डेम के वेस्ट वियर के ऊपर निर्मित करोड़ों रुपये की लागत के पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य कराया जा रहा है जबकि ठेकेदार को बिना आर एम सी प्लांट के पुल का निर्माण कार्य नहीं किया जाना है मगर यहां पर ठेकेदार अजकस मशीन से वेस्ट वियर के ऊपर पूरा के निर्मित पुल से घंटों आवागमन बाधित कर धड़ल्ले से पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। बिना गिट्टी सीमेंट रेत पानी की बराबर मात्रा में मिश्रण कर तैयार कर उपयोग किया जाना है। इस करोड़ों रुपये के लागत के पुल की कितनी गुणवत्ता होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

आर सी सी कंक्रीट निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट का लगाया जाना सबसे महत्वपूर्ण है जिससे सीमेंट गिट्टी रेता पानी आदि का मिश्रण एक बराबर मात्रा में कंक्रीट तैयार किया जाता है जिससे आर सी सी पुल निर्माण कार्य किया जाता है जो इस करोड़ों रुपए की लागत की पुल निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट भी कहीं पर पुल निर्माण स्थल पर नहीं लगाया गया है और ठेकेदार के द्वारा उच्च पुल का निर्माण कार्य धड़ल्ले से लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ के अधिकारियों के संरक्षण में निर्माण कार्य किया जा रहा है।

इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में निर्माण सामग्री के मापदंड के कम मात्रा में सिमेंट और अन्य सामाग्री का उपयोग गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा उपयोग किया जा रहा है। जिस विषय पर सेतु संभाग के कार्य पालन अभियंता से बात कर जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा करना चाहा तो उन्होंने ने फोन ही की बिना आर एम सी प्लांट के पुल निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। अगर ठेकेदार के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के कार्य किया जा रहा है तो एकदम ग़लत है बिना प्लांट के कार्य नहीं किया जाना है।

रिसिव नहीं किया गया । और सेतु निगम के अधिकारी कभी फोन उठाना मुनासिब नहीं समझते है। सेतु विभाग के अधिकारी और ठेकेदार के मिलीभगत से काम को गुणवत्ताहीन करवा कर पैसों का बंदरबांट किया जा रहा हैं?

विभागीय अधिकारी भी मौन

आपको बता दे की पोडीडिह से सकडा जरौधा व्हाया बरदर के डेम से निकले वेस्ट वियर के ऊपर में बन रही उच्च स्तरीय पुल में जिसे आर एम सी प्लांट से और जिस मापदंड की सामाग्री से पुल का निर्माण कार्य किया जाना है वो ठेकेदार के द्वारा नहीं किया जा रहा है उसके बावजूद भी सेतु संभाग के विभागीय अधिकारी ना ध्यान दे रहे हैं और काम को सही तरीके से करवा रहे हैं। इस विषय में जब हमने अधिकारी से जानना चाहा तो वो कभी फोन रिसीव नहीं करते। अब देखना यह लाजमी होगा कि खबर लगने के बाद विभागीय अधिकारी ठेकेदार के ऊपर क्या कार्यवाही करते हैं?

लोक निर्माण विभाग सेतु उप संभाग मनेंद्रगढ पुल निर्माण कार्य के उच्च अधिकारी ए सी एवं कार्य पालन अभियंता आदि के द्वारा पुल निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के उपयोग किए बिना पुल निर्माण कार्य किया जा रहा है।

क्या उच्च अधिकारी बिना आर एम सी प्लांट के उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी?

एसईसीएल कर्मचारी की आधी रात घर में घुसकर की गई हत्या

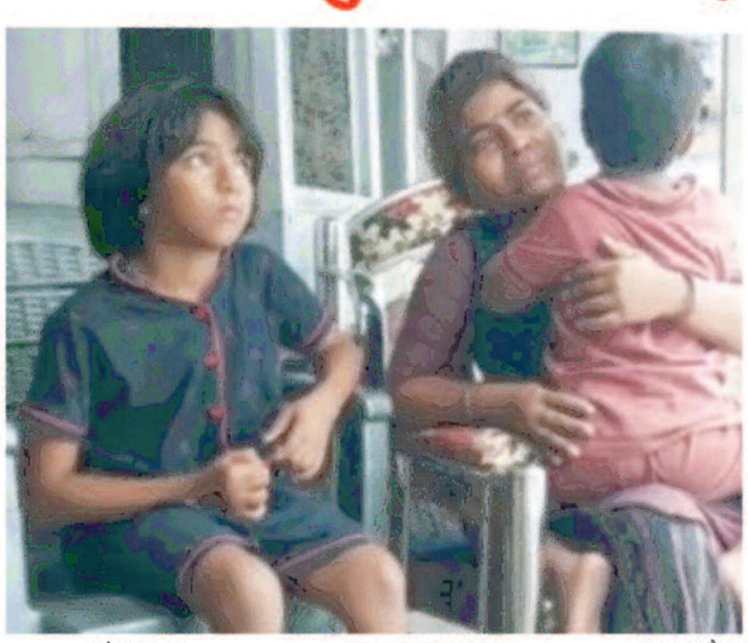

- संवाददाता -
कोरबा,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में पिछले दो दिनों के भीतर हुई दूसरी हत्या एक दिन पहले ही छुरी क्षेत्र में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी जिस पर आरोपी अबतक पुलिस के गिरफ्त से बाहर है वहीं बीती रात एसईसीएल गेवरा परियोजना की उर्जानगर कालोनी के मकान नंबर MQ / 07 में निवासरत जगजीवन रात्रे की कुछ लोगों द्वारा घर में घुसकर हत्या कर दी गई । गेवरा परियोजना में जनरल मजदूर कैटेगरी-1 के पद पर कार्यरत 34 वर्षीय जगजीवन रात्रे की पत्नी श्रीमती धनेश्वरी रात्रे ने बताया कि रात्रि लगभग 02 बजे कुछ लोग उनके निवास पर आए और दरवाजा को खटखटाएं जिस पर उनकी पत्नी ने दरवाजा न खोलने की बात कही पर जगजीवन राम ने दरवाजा खोला द्व पत्नी ने पूछा कौन है तब जगजीवन रात्रे ने बताया कि उनके दोस्त आए हैं और पानी मांग रहे हैं। जगजीवन कथित दोस्तों के लिए पानी लेने भीतर गया और पानी लेकर जैसे ही दरवाजे पर पहुंचा उसी समय उस पर कुल्हाड़ी/टंगिया से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया जिस पर उसकी पत्नी ने डर के मारे अपने दोनों बच्चों के साथ कमरे में छिप गई ताकि हत्यारे उनको नुकसान न पहुंचाएं। वहीं जगजीवन दरवाजे की चौखट पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना से भयभीत पत्नी ने भाई को इसकी जानकारी दी और आसपास के लोगों को गुहार लगाई जिस पर पड़ोसियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। दीपका थाना प्रभारी निरीक्षक अविनाश सिंह , ए.एस.आइ परमेश्वर राठौर सहित दीपका पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंचे और खोजबीन चालू किए जिस पर उन्हें मौके से कोई हथियार फिलहाल बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के खोजी डॉग बाघा को तलब किया गया, वहीं बिलासपुर से फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई है। हत्या की वजह और हत्यारों की तलाश कर रही पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक की पत्नी का एक ही कमरे में रहने के बावजूद भी विरोध ना करना और स्पष्ट जानकारी ना देना कहीं ना कहीं संदेह को जन्म दे रहा है ।पुलिस इस मामले की सूक्ष्मता से जांच करने में जुट गई है जिस पर जल्द आरोपी को पकड़ा जा सके। लगातार हुए दो हत्याओं से अब जिले के पुलिसिंग पर भी सवाल उठने लगा है ।अब देखना होगा कि कब तक पुलिस इन दो मामलों के तह तक पहुंचकर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचने में कामयाब होती है ?

भाजयुमो कोरबा ने छत्तीसगढ़ पी.एस.सी परीक्षा परिणाम में हुए अनियमितता को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
कोरबा, 24 मई 2023
(घटती-घटना)।

हाल ही में जारी हुए छत्तीसगढ़ पी.एस.सी के परीक्षा परिणाम में हुए भ्रष्टाचार अनियमितता के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ज़िला कोरबा ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि सी.जी.पी.एस.सी 2021 की परीक्षा के नतीजों में मेरिट में स्थान पाने वाले चेयरमैन टामन सोनवानी सहित कांग्रेस नेता तथा उद्योगपतियों के बच्चों के नाम टॉप 20 में है । इसे महज़ संयोग मान लेना संभव नहीं । छत्तीसगढ़ के होनहार युवाओं के साथ धोखा हुआ है । सी.जी.पी.एस.सी 2021 के जारी नतीजों को लेकर कई आशंकाएं है जिनका निदान होना जरूरी है। इस विषय पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि हम यह नहीं कहते की अफसरों और नेताओं के बच्चे मेरिट में नहीं आ सकते, लेकिन इस परिणाम में टॉप 20 में ऐसे लोगों की भरमार है और सी.जी.पी.एस.सी चेयरमैन के कई रिश्तेदार भी इसमें चुने गए हैं । युवा मोर्चा की मांग है कि उक्त जारी परिणाम को निरस्त करते हुए उच्च न्यायिक जांच की जाए, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। उक्त ज्ञापन सौंपने में जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, महामंत्री नरेंद्र देवांगन, उपाध्यक्ष रंजू यादव, दिव्यांश अग्निहोत्री, सह कोषाध्यक्ष बृजेश यादव, सुभाष राठौर, अजय कवर, कुदमुरा मंडल अध्यक्ष धनंजय चौहान, कोरबा मंडल अध्यक्ष रामावतार पटेल, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष दिनेश सेन, दर्री मंडल अध्यक्ष मुकुंद कंवर, दीनदयाल पटेल, असलम, सचिन पटेल, सुदेश चंद्रा, मंजीत यादव, तनय गोस्वामी, शिवम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनटीपीसी कर्मचारी की सड़क किनारे संदिग्ध हालात में मिला शव

- संवाददाता -
कोरबा,24 मई 2023
(घटती-घटना)।

जिले के दर्री थाना अंतर्गत लाटा अगारखार पाइप लाइन के पास संदिग्ध हालत में बुधवार को एनटीपीसी कर्मचारी की लाश मिली। लाश मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर दर्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल मामले में जांच जारी है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय असीम राय के रूप में हुई है,जो सेमीपाली के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता था और एनटीपीसी प्लांट में कार्यरत था। मृतक के सहकर्मी विजय कुमार ने बताया कि सुबह असीम राय घर से टहलने के लिए निकला हुआ था। इसके बाद वह वापस अपने घर नहीं लौटा। थोड़ी देर के बाद फोन पर जानकारी मिली कि उसकी लाश लाटा स्थित पाइप लाइन के पास मिली है। मृतक असीम राय मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। वह कोरबा जिले में पिछले 06 सालों से एनटीपीसी में मजदूरी का काम करता था। मृतक पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। दर्री थाने में पदस्थ ए.एस.आई ललित कुमार सूचना मिलते ही अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने कहा कि असीम की मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है, इसकी जांच की जा रही है साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।पुलिस ने मामले को संदिग्ध बताते हुए कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असल वजहों का पता चलेगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ.ग.

(ZONAL TENDER-FIRST CALL

क्रमांक/817/व.ले.लि./ग्रायांसेवा/2023-24 अम्बिकापुर,दिनांक 19.05.2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में विद्युतीकरण हेतु पंजीकृत ठकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन (Online) निविदा दिनांक 05.06.2023 तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
	134984,134985,134987, & 134989,	Electrification works under Zonal Tender up to Rs. 0.15 to 10.00 lakh at janpad panchayat area Lakhanpur,Batouli,Sitapur & Lundra	40.00 For Each Tender

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.inअथवा विभागीय वेब साईट से दिनांक 22.05.2023 से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
अम्बिकापुर

जी.नं.-01556/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यात्रिकी खण्ड बलरामपुर,जिला-बलरामपुर

E-mail:eebalram-phe-cg@nic.in

निविदा क्रं./15/ले.शा.ज्ञ़जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2023 बलरामपुर,दिनांक17.5.2023

ऑन लाईन प्रथम निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म ''अ'' में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है-

सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)	सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
134902	155.40	134920	188.82
134903	102.32	134921	189.66
134904	320.67	134922	181.33
134905	163.48	134923	199.94
134906	73.81	134924	129.34
134908	194.28	134925	269.71
134909	182.66	134926	136.00
134910	57.39	134927	181.26
134911	105.66	134928	187.61
134912	290.91	134929	46.29
134913	358.39	134930	90.67
134914	202.12	134931	150.68
134915	226.46	134933	346.46
134916	156.43	134934	416.37
134917	82.12	134935	52.73
134918	177.38	134936	56.45
134919	72.65		

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 01.06.2023 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 19.06.2023 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहें। अन्य विवरण काय्रलयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देख जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलरामपुर (छ.ग.)

जी.नं.-01517/4

न्यायालय तहसीलदार उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क /अ-21/ 2022-23 ग्राम - सुखरी भण्डार, प0ह6नं0 19

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण कॉक्टी, तिजो, एतवारसाय, श्यामबाई सभी पिता सोमारू, जाति मझवार निवासी ग्राम सुखरीभण्डार द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताये है कि ग्राम सुखरीभण्डार तहसील उदयपुर में शामिलात खाता कुल ख0न0 12 कुल रकबा 2.951 हे0 भूमि स्थित है। उक्त भूमि में से ख0न0 111 /1 रकबा 0.494 हे0 भूमि को अनावेदक प्रभाकर सिंह आ0 जगरनाथ सिंह जाति कंवर, निवासी ग्राम झिरमिटी, तहसील उदयपुर जिला सरगुजा को राशि रू0 3,70,000.00 (तीन लाख सत्तर हजार रूपये) में विकय किये जाने का सौदा किया जाकर विकय मूल्य की रू. 1,50,000.00 (एक लाख पचास हजार रूपये) अग्रिम प्राप्त कर लिये है, शेष राशि रजिस्ट्री के समय प्राप्त करेंगे। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का विकय का कारण अपने बच्चों के विवाह के समय साहूकारों के लिये कर्ज को चुकाने के लिए विकय बताये है। आवेदक द्वारा विक्रय किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन मय बी-1, खसरा, जाति प्रमाण पत्र, आधार की प्रतिलिपि सहित अनुविभागीय अधिकारी(रा0), उदयपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति,/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 31/05/2023 के पूर्व इस न्यायालय में दावा /आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्त्ति प्राप्त होने पर विचार नही किया जावे।

आज़ दिनांक 16/05/ 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

सील | तहसीलदार उदयपुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) भैयाथान,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत को सूचित किया जाता है कि श्री राजेन्द्र प्रसाद पिता श्री चेतन राम निवासी शिवप्रसादनगर के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नं0 341/25 रकबा 0.08 हे0 जो ग्राम शिवप्रसादनगर प0ह0नं0 08 रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस नयायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत क्षे0 शिवप्रसादनगर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 31/05/23 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 15/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील | अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) भैयाथान,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत को सूचित किया जाता है कि श्री गुलाब सिंह पिता श्री रनसू निवासी बंजन के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नं0 2662 मे से रकबा 0.040 हे0 जो ग्राम बंजन प0ह0नं0 10 रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायलय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत क्षे0 शिवप्रसादनगर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपतित हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 31/05/23 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील | अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा)/सक्षम प्राधिकारी सूरजपुर,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-डुमरिया को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हरिप्रसाद आ0 रघुनाथ जाति अहीर , निवासी-ग्राम-डुमरिया तह0 व जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्रा-डुमरिया, प.ह.नं. 05, रा.नि.मं.-बसदेई तहसील-सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्र. 406/1 रकबा 0.055 हे. को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में ग्राम-डुमरिया के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 01/06/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 18.05.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील | विशेष कर्तत्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-11-23-24, दिनांकः 17.05.2023. कार्यः 30.06.2024 को समाप्ति अवधि के लिये सहायक मंडल अभियंता/ मनेन्द्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दर्रीटोला (ईन) से अम्बिकापुर (ईन) तक सिविल जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः ₹ 1,20,00,000/-. अमानत राशिः ₹ 2,10,000/-. पूर्णता अवधिः 30.06.2024 तक।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-12-23-24, दिनांकः 17.05.2023. कार्यः 30.06.2024 को समाप्ति अवधि के लिये सहायक मंडल अभियंता/ मनेन्द्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अनूपपुर (एक्स) से बोरीडांड (एक्स) तक सिविल जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः ₹ 80,00,000/-. अमानत राशिः ₹ 1,60,000/-. पूर्णता अवधिः 30.06.2024 तक।

क्र.संख्या (3) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-13-23-24, दिनांकः 17.05.2023. कार्यः 30.06.2024 को समाप्ति अवधि के लिये सहायक मंडल अभियंता/ मनेन्द्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दर्रीटोला (एक्स) से बोरीडांड (ईन) एवं बोरीडांड (एक्स) से चिरमिरी (ईन) तक सिविल जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः ₹ 1,30,00,000/-. अमानत राशिः ₹ 2,15,000/-. पूर्णता अवधिः 30.06.2024 तक।

क्र.संख्या (4) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-14-23-24, दिनांकः 17.05.2023. कार्यः 30.06.2024 को समाप्ति अवधि के लिये सहायक मंडल अभियंता/ उमरिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बीरसिंहपुर (ईन) से उमरिया (एक्स) तक सिविल जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः ₹ 70,00,000/-. अमानत राशिः ₹ 1,40,000/-. पूर्णता अवधिः 30.06.2024 तक।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 29.05.2023 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 12.06.2023 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/70 द.पू.म.रे.,बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

Ro.No.-BSP/4093

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डिफेंस में सुधार पर रहेगा फोकसः दीप ग्रेस एक्का

एडिलेड,24 मई 2023। भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के अपने दौरे के अंतिम दो मैच जीतने के साथ-साथ आगामी में एक मजबूत प्रदर्शन करने की टीम की संभावनाओं के लिए एक मजबूत रक्षा पंक्ति महत्वपूर्ण होगी। 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 जैसे बड़े टूर्नामेंट। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम दौरे के अपने आखिरी दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ने के लिए कमर कस रही है।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच खेले हैं, पहले दो मैचों में क्रमश 2-4 और 2-3 से हारकर तीसरे गेम में पीछे से आकर 1-1 की बराबरी सुनिश्चित की। दौरे के अपने अंतिम दो मैचों में मेहमान टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया ए से होगा। भारतीय टीम ने तीनों खेलों में शानदार आक्रमण कौशल का प्रदर्शन किया, लेकिन वे ऑस्ट्रेलिया को गोल करने से रोकने के लिए संघर्ष करते रहे। यह देखते हुए कि हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेले, हमने पहले तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, विशेष रूप से आक्रमण के लिहाज से, लेकिन हमने काफी कुछ गोल किए, जो नहीं होने चाहिए। इसलिए, हम सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। टीम के अनुभवी डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, अगले दो मैचों में हमारा बचाव करना और बाकी मैच जीतकर हमारे दौरे को उच्च स्तर पर समाप्त करना।

इसके अलावा, अगर हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हम आसानी से लक्ष्यों को स्वीकार नहीं करते हैं, तो यह हमारी अग्रिम पंक्ति को स्वतंत्र रूप से हमला करके विरोधियों पर दबाव बनाने में मदद करेगा, जो अंततः न केवल इस दौरे में बल्कि हमारे आने वाले टूर्नामेंटों में भी गेम जीतने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।28 वर्षीय जोड़ा, जिसने हाल ही में 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप्स को पूरा करने का एक विशेष मील का पत्थर हासिल किया है।

एक्का ने तीसरे गेम में भी भारत की वापसी में मदद की, ऑस्ट्रेलिया के बढ़त लेने के बाद पेनल्टी कार्नर को खेल टाई करने के लिए परिवर्तित किया। एक्का ने बराबरी स्कोर करने पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, ÷उस गोल को स्कोर करना बहुत अच्छा लगा क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण समय पर आया और टीम को खेल में वापसी करने में भी मदद मिली। हमने मैच की शुरुआत एक ठोस नोट पर की और यहां तक कि अधिकांश गोल भी किए। मैच की गति को नियंत्रित करने के लिए शुरुआती क्वार्टर में कब्जे का। हालांकि, हमने दूसरे क्वार्टर में एक गोल खाया, जिसने हमें बैकफुट पर डाल दिया, जिसके बाद हम अपनी लड़ाई की भावना दिखाने और बराबरी खोजने के लिए बेताब थे। इसलिए, में इस अर्थ में, मैं इसे अपनी टीम के लिए देने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं जब उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

त्रिपुरा के ब्रांड एंबेसडर होंगे सौरव गांगुली

अगरतला,24 मई 2023। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने त्रिपुरा पर्यटन का ब्रांड एंबेसडर बनने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और इसके साथ ही राज्य की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में योगदान देने की प्रतिबद्धता जतायी है। त्रिपुरा के पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने सचिव पर्यटन उत्तम कुमार चकमा और निदेशक तपन कुमार दास के साथ मंगलवार को गांगुली से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें उत्तर पूर्वी राज्य का ब्रांड एंबेसडर बनाने का प्रस्ताव रखा।

चौधरी ने कहा दादा के हाव-भाव से बहुत खुश और प्रभावित हूँ। उन्होंने सहर्ष प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और उम्मीद है कि अगर चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं , सौरव गांगुली कुछ महीनों में हमारे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा , त्रिपुरा की पर्यटन क्षमता को पूरी दुनिया में बढ़ावा देने के लिए हमारे प्रिय सौरव गांगुली से अधिक लोकप्रिय व्यक्तित्व कौन हो सकता है। उन्होंने बताया कि गांगुली अगले महीने की शुरुआत में लंदन की यात्रा पर जाने वाले हैं और वहां से लौटने के तुरंत बाद वह जून के अंत में त्रिपुरा दौरा के साथ ही अपने मॉड्यूल पर काम करना शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा इस बीच हम अगले दो हफ्तों के भीतर समझौते और दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया को पूरा करेंगे।

लिएंडर पेस ने बंगाल टीम में हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई,24 मई 2023। लिएंडर पेस ने टेनिस प्रीमियर लीग के पांचवें सत्र से पहले बंगाल टीम में हिस्सेदारी खरीदी है। यह लीग पुणे में खेली साल दिसंबर में होगा और सभी मैच पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम पर खेले जायेंगे।

पेस ने एक विज्ञप्ति में कहा ,''

जायेगी जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी। पेस ने वार्डविजार्ड समूह के साथ मिलकर टीपीएल में आठवीं टीम खरीदी है। बाकी टीमें मुंबई लियोन आर्मी, पंजाब टाइगर्स, पुणे जागुआर्स, बेंगलुरू स्पार्टंस , दिल्ली बिन्नीस ब्रिगेड , हैदराबाद स्ट्राइकर्स और गुजरात पैंथर्स है। टूर्नामेंट इस कोलकाता में साउथ क्लब देश के सबसे उम्दा टेनिस वेन्यू में से एक है जहां भारत में सबसे ज्यादा डेविस कप मैच हुए हैं। जयदीप मुखर्जी और जीशान अली जैसे बेहतरीन खिलाड़ी वहां से निकले हैं। टीपीएल के पांचवें सत्र में बंगाल की टीम होने से यह और रोमांचक हो जायेगा।

ओडीआई वर्ल्ड कप क्वॉलीफायर 18 जून से जिंबाब्वे में

10 टीम हिस्सा लेंगी

बुलावायो,24 मई 2023। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि 10 टीम जिंबाब्वे में 18 जून से नौ जुलाई तक 2023 एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लेंगी। क्वालीफायर के जरिए दो टीम को भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने का मौका मिलेगा। क्वालीफायर में हिस्सा लेने वाली 10 टीम को पांच-पांच टीम के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में मेजबान जिंबाब्वे के अलावा वेस्टइंडीज, नीदरलैंड, नेपाल और अमेरिका को जगह मिली है जबकि ग्रूप बी में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, ओमान और यूएई को रखा गया है।

ग्रूप चरण में प्रत्येक टीम एक-दूसरे से एक-एक मुकाबला खेलेंगी और फिर प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष तीन टीम सुपर छह चरण में जगह बनाएंगी। सुपर छह चरण में वे उन टीमों के खिलाफ खेलेंगी जिनसे वे ग्रूप चरण में नहीं खेली हैं। सुपर छह चरण में जगह बनाने वाली टीमों को अपने ग्रूप से इस चरण में जगह बनाने वाली टीमों पर पहले चरण में मिली जीत के अंक भी मिलेंगे। फाइनल में जगह बनाने वाली दोनों टीम विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी। बुलावायो के क्वीन्स स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो एथलेटिक

क्लब तथा हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब और ताकाशिंगा क्रिकेट क्लब में टूर्नामेंट के 34 मुकाबलों का आयोजन किया जाएगा।

फाइनल हरारे स्पोर्ट्स क्लब पर नौ जुलाई को खेला जाएगा। ओल्ड हरारियंस क्रिकेट क्लब पर भी अभ्यास मैचों का आयोजन किया जाएगा। मेजबान जिंबाब्वे टूर्नामेंट के पहले दिन हरारे स्पोर्ट्स क्लब में नेपाल के खिलाफ खेलेगा जो पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ उतरा है। दो बार का चैंपियन वेस्टइंडीज भी 18 जून को पड़ोसी देश अमेरिका के खिलाफ ताकाशिंगा क्रिकेट क्लब में उतरेगा। ग्रुप बी की शुरुआत 19 जून को बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 1996 विश्व कप चैंपियन श्रीलंका और यूएई के बीच मुकाबले के साथ होगी।

इसी दिन बुलावायो एथलेटिक क्लब में दूसरे मैच में आयरलैंड का सामना ओमान से होगा। नीदरलैंड 20 जून को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिंबाब्वे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा जबकि स्कॉटलैंड का सामना 21 जून को बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड से होगा। सुपर छह चरण 29 जून से शुरू होगा जबकि प्रत्येक समूह की दो निचली टीमें प्लेऑफ में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूर्नामेंट में पहली बार सुपर छह चरण से सभी मैचों के लिए डीआरएस का इस्तेमाल किया जाएगा। क्वालीफायर में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग की पांच निचली टीम, आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग दो के तीन स्वत÷ क्वालीफायर और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले ऑफ से प्रवेश करने वाली दो टीम सहित कुल 10 टीम हिस्सा लेंगी।

मेरे पास संन्यास का फैसला करने के लिए 8-9 महीने का समय है : धोनी

चेन्नई,24 मई 2023। महेंद्र सिंह धोनी अपने भविष्य के प्रयासों को निर्धारित करने के लिए शांत और धैर्यवान बने रहे। चालीफायर 1 में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स (जीटी) पर जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल 2023 के फाइनल में पहुंचाने के बाद, धोनी ने कहा कि उनके पास यह तय करने के लिए पर्याप्त समय है कि क्या वह आईपीएल का एक और संस्करण खेलेंगे।

चेन्नई ने बीती रात एमए चिदंबरम स्टेडियम में चालीफायर-1 में गुजरात को 15 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ सुपर किंग्स रिकॉर्ड 10वें आईपीएल फाइनल में पहुंच गई है। 2023 आईपीएल के शुरू होने के बाद से धोनी की संभावित सेवानिवृत्ति के बारे में अटकलें चल रही हैं, यह संकेत देते हुए कि यह संस्करण आईपीएल में उनकी अंतिम उपस्थिति को चिह्नित कर सकता है। मैच के बाद की प्रस्तुति में जब वह बातचीत के लिए गए तो चेपॉक की विशाल भीड़ से धोनी धोनी की आवाजें लग रही थीं। जब हर्षा भोगले ने धोनी से पूछा कि क्या प्रशंसक उन्हें अगले साल देख सकते हैं, तो सीएसके के कप्तान ने कहा कि आगामी मिनी-नीलामी में 8 या 9 महीने बाकी हैं, इसलिए उनके पास आईपीएल में अपने भविष्य पर निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है।

धोनी ने कहा, मुझे नहीं पता। मेरे पास फैसला करने के लिए 8-9 महीने हैं। छोटी नीलामी दिसंबर के आसपास होगी। तो अभी उस सिरदर्द को क्यों लेना है? मेरे पास फैसला करने के लिए पर्याप्त समय है। लेकिन, मैं हमेशा सीएसके के लिए रहूंगा चाहे वह यह खेलने की अवस्था में है या कहीं बाहर बैठा है। मैं वास्तव में नहीं जानता।

पेरिस ओलम्पिक 2024 के लिए अभी भी अनिर्धारित है उद्घाटन समारोह में दर्शकों की संख्या

पेरिस,24 मई 2023। अगले साल गर्मियों में कितने लोग ओलंपिक खेलों के पहले आउटडोर उद्घाटन समारोह को देख पाएंगे? उत्तर अभी भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने उस प्रश्न के पूछे जाने पर सैकड़ों हजारों लोगों के बारे में बात की है।

पेरिस ओलंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई, 2024 को रात 8:24 बजे (स्थानीय समयानुसार) शुरू होगा, और तीन घंटे तक चलेगा, इसकी पुष्टि पेरिस 2024 के अध्यक्ष टोनी एस्टंगुएट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की, फ्रांसीसी सरकार, आयोजन समिति के रूप में समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार और फ्रांस की राजधानी के मेयर ने मंगलवार को एक सुरक्षा प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए।

कुल 116 नावों को 10,000 से अधिक एथलीटों के परिवहन के लिए किराए पर लिया जाएगा, जो पोंट डी%ऑस्टरलिट्ज से पोंट डी%इना तक छह किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसमें नोट्रे डेम, लौवर और एफिल टॉवर जैसे कई प्रतिष्ठित स्मारक पृष्ठभूमि के रूप में काम करेंगे।

लगभग 100,000 टिकट 2,700 यूरो तक की कीमत के साथ विशेष नदी के किनारे की स्थिति के लिए बेचे जाएंगे। जो लोग मुफ्त में ओपन-एयर शो देखना चाहते हैं, उन्हें टिकट के लिए प्री-रजिस्टर करना होगा।

डर्मैनिन ने पूर्व-पंजीकरण नीति के बारे में कहा, ÷हमें लगता है कि बहुत बड़ी संख्या में लोग जो इन ओलंपिक को देखना चाहते हैं, वे पूरी सुरक्षा में ऐसा करने में सक्षम होंगे।÷ हालांकि सटीक आंकड़ा स्पष्ट नहीं है।

आयोजकों ने शुरूआत में कुल 600,000 स्थानों की उम्मीद की थी, लेकिन फरवरी में, इले-डी फ्रांस क्षेत्र के सार्वजनिक परिवहन प्रमुख वैलेरी पेक्रेस ने अपर्याप्त परिवहन क्षमता÷ का हवाला देते हुए कहा था कि यह आंकड़ा 500,000 से कम तक कट गया है।

तब से, परदे के पीछे, कई राजनीतिक और पुलिस स्रोतों ने फ्रांसीसी मीडिया को 400,000 के आंकड़े का उल्लेख किया है। 16 मई को, खेल मंत्री एमेली ओडिया-कास्टरा ने 400,000 के आसपास÷ तक का भी उल्लेख किया, जिसे अभी भी परिष्कृत किया जाना है।

ओलंपिक सुरक्षा के प्रभारी डर्मैनिन ने मंगलवार को अस्पष्ट शब्दों में जवाब दिया, सैकड़ों हजारों दर्शक भव्य शो देखने के लिए ऊंची जगहों पर बैठेंगे।

सुरक्षा बलों के संबंध में, 37,000 सदस्यों को तैनात किया जाएगा, जिसमें 2,000-3,000 निजी सुरक्षा एजेंट उद्घाटन समारोह के लिए ड्यूटी पर होंगे। डर्मैनिन ने यह भी कहा कि 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले खेलों की अवधि के लिए पुलिस कर्मियों के व्यक्तिगत अवकाश रद्द कर दिए जाएंगे।

डर्मैनिन ने जोर देकर कहा कि ड्रोन को सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा माना जाता है, लेकिन उन्होंने कहा कि वायु रक्षा तकनीक उपलब्ध थी और इस साल के अंत में फ्रांस में रग्बी विश्व कप के दौरान इसका परीक्षण किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ÷यह एक नया खतरा है। यह निश्चित नहीं है कि कुछ भी होगा लेकिन निश्चित रूप से इसकी तैयारी करना सबसे कठिन है।÷

पूर्व शीर्ष टेनिस खिलाड़ी हालेप ने किया खुलासा

» खिलाड़ियों से भेदभाव करती है टेनिस एजेंसी

रोमानिया,24 मई 2023। पूर्व शीर्ष टेनिस खिलाड़ी और दो बार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सिमोना हालेप ने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी पर दोहरे मानदंढ़ अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके एथलीट बायो लॉजिकल पासपोर्ट के संबंधं में लगाए गए अनियमितताओं के आरोप से निपटने के लिए दोहरे मानक बनाए गए। रोमानिया की हालेप 31 वर्षी की उम्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन ओपन में महिला एकल का खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आईटीआईए ने एबीपी में कथित विसंगतियों के लिए डोपिंग के मामले में दोहरे मानदंड बनाए।

आईटीआईए ने कहा कि पिछले शुक्रवार को घोषित नवीनतम आईटीआईए शुल्क अलग और इसके अलावा है, जो हालेप को पिछले साल यूएस ओपन के दौरान ड्रग परीक्षण में विफल होने के बाद मिला था। हालेप ने सोमवार को आरोप लगाया कि जहां आईटीआईए एक ओर कह रहा था कि वह उन्हें समयबद्ध तरीके से संलग्न करना चाहता था, वहीं दूसरी ओर वह न्यायाधिकरण से सुनवाई में देरी करने के लिए कह रहा था। हालेप ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा जबकि आईटीआईए ने अपने प्रतिनिधि निकोल सैपस्टेड के माध्यम से तीन दिन पहले सार्वजनिक रूप से कहा था कि आईटीआईए एक सहानुभूतिपूर्ण, कुशल और समयबद्ध तरीके से हालेप का मामला सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वे उसी समय आधिकारिक तौर पर ट्रिब्यूनल से मेरी सुनवाई में देरी करने का अनुरोध कर रहे थे। आईटीआईए सार्वजनिक रूप से एक बात कहता है, जबकि निजी तौर पर कुछ और करता है, मैंने बार-बार अपनी सुनवाई के लिए कहा है और आईटीआईए ने बार-बार इसमें देरी करने की मांग की है।÷ 24 खिताब जीतने वाली हालेप ने कहा कि उन्हें त्वरित सुनवाई का अधिकार है और इसमें देरी करना नियमों के खिलाफ है।

जॉन अब्राहम ने रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव में किया वॉयसओवर

एक्शन स्टार जॉन अब्राहम रवि तेजा की अपकमिंग फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के लिए वॉयसओवर आर्टिस्ट के तौर पर काम कर रहे हैं। डबिंग सेंशन की एक झलक साझा करते हुए, जॉन अब्राहम ने अपने ट्विटर प्रोफाइल पर एक वीडियो पोस्ट की और कैप्शन में लिखा÷ इस अद्भुत प्रोजेक्ट का एक छोटा सा हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। टाइगर नागेश्वर राव वीडियो का पहला लुक शानदार है! आशा है आप सभी इसे पसंद करेंगे।टीजर 24 मई को एक इवेंट में लॉन्च किया जाएगा। वामसी द्वारा अभिनीत फिल्म को द कश्मीर फाइल्स के निर्माता अभिषेक अग्रवाल द्वारा बैंकरोल किया गया है।टाइगर नागेश्वर राव फिल्म में नूपुर सनन, गायत्री भारद्वाज, अनुपम खेर, रेणु देसाई और जिशु सेनगुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

पठान के हिट होने के बाद जॉन अब्राहम तेहरान की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है और दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेल द्वारा निर्मित है।

सारा अली खान ने की इब्राहिम के एक्टिंग डेब्यू की पुष्टि

सारा अली खान इन दिनों सुपर बिजी चल रही हैं। अभिनेत्री, जो विक्की कौशल के साथ जरा हटके जरा बचके शीर्षक वाली अपनी अगली फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने इस साल कान्स में अपनी शुरुआत की! अभिनेत्री 20 मई को भारत लौटी। कान में अभिनेत्री ने अपने भाई इब्राहिम अली खान के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। उसने पुष्टि की कि इग्गी पॉटर, जैसा कि वह उसे प्यार से बुलाती है, एक अभिनेता के रूप में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है। खास बात यह है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है! सारा अली खान ने पुष्टि की है कि उनके भाई, इब्राहिम अली खान, अपने अभिनय की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म साथी के साथ बात करते हुए, सारा ने अपने भाई इब्राहिम और मां अमृता के बारे में बात की और खुलासा किया, उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी पहली फिल्म की शूटिंग अभी पूरी की है, जिस पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। हां, उसके पास है और जब भी वह घर आता है, चाहे वह स्कूल से हो या शूट से, हम दोनों का उसके प्रति बेहद प्यार और पसंद, यह रवैया है और तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास मेरी मां का दिल है। क्योंकि हम इब्राहिम के साथ बहुत समान व्यवहार करते हैं।

तथ्य यह है कि इब्राहिम ने अपनी पहली फिल्म के रूप में धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म साइन की है। एक मीडिया हाउस ने इब्राहिम अली खान की धर्मा प्रोडक्शन के साथ पहली फिल्म का नाम अस्थायी रूप से सरजमीन बताया है। यह इमोशनल थ्रिलर होगी जिसमें इब्राहिम अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म फरवरी के अंत में फ्लोर पर चली गई। इब्राहिम के अतिरिक्त इस फिल्म में मलयालम फिल्मों के सुपर सितारे पृथ्वीराज व काजोल भी महत्तवपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले इब्राहिम अली खान ने करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था।

युद्धभूमि में एनटीआर जूनियर का इंतजार कर रहे ऋतिक रोशन, जन्मदिन पर किया ये ट्वीट

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने शनिवार को एनटीआर जूनियर को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और कहा कि वह युद्धभूमि में उनका इंतजार कर रहे हैं, जिससे वॉर 2 को लेकर अटकले लगाई जा रही हैं। उन्होंने एनटीआर जूनियर को किए अपने ट्वीट में वॉर 2 का जिक्र नहीं किया, लेकिन ऋतिक ने इस बारे में कई संकेत दिए। ऋतिक ने लिखा÷ हैप्पी बर्थडे एनटीआर जूनियर, तुम्हारा दिन खुशहाल हो और आने वाला साल एक्शन से भरा हो। मैं युद्धभूमि पर तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। जब तक हम मिलते नहीं तब तक तुम्हारे दिन शांति और खुशियों से भरे हों।बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बड़े सुपरस्टार्स की सुपर-स्पाई के रूप में उपस्थिति का दावा करता है। इसमें पठान के रूप में शाहरुख खान, टाइगर के रूप में सलमान खान, कबीर के रूप में ऋतिक रोशन, रुबाई के रूप में दीपिका पादुकोण, जोया के रूप में कैटरीना कैफ और जिम के रूप में जॉन अब्राहम हैं।

सीजीपीएससी के विरोध में श्रद्धांजलि सभा आज

आज शाम 6 बजे राजधानी के कलेक्ट्रेट चौराहा बाबा साहेब अंबेडकर प्रतिमा के सामने एक श्रद्धांजलि सभा का होगा आयोजन

रायपुर,24 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में राज्य लोक सेवा आयोग का रिजल्ट आते ही राजनीती भी शुरू हो गई है। पीएससी के नतीजे में भाई-भतीजावाद को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जिसके विरोध में पिछले 12 दिनों से जगह-जगह प्रदर्शन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री निवास घेराव का सिलसिला भी भी चल रहा है। इसी कड़ी में 25 मई की शाम 6 बजे राजधानी के कलेक्ट्रेट चौराहा बाबा साहेब अंबेडकर प्रतिमा के सामने एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इसका शोक संदेश पत्र सोशल मीडिया में वायरल है।

शोक संदेश में लिखी ये बात

सीजीपीएससी 2021 के पीड़ित अभ्यार्थी द्वारा प्रेषित शोक संदेश में लिखा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में न्याय और व्यवस्था की मृत्यु हो चुकी है।

सीजीपीएससी2021 परिणाम के दौरान आए इत्तफाक के बाद सीजीपीएससी परीक्षा में हुए घोटाले को लेकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने विचार प्रदेश की गूंगी बहरी और अंधी सरकार तक पहुंचाए।

पीएससी अभ्यर्थियों को भड़काने की शिकायत कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने मंगलवार को रायपुर एसपी से पीएससी अभ्यर्थियों को भड़काने, उकसाने की शिकायत की है। उन्होंने दो पेज के अपनी शिकायत में भाजयुमो और भाजपा के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। श्री तिवारी ने मांग की है कि पीएससी अभ्यर्थियों को आंदोलन के लिए उकसाने, नकारात्मकता फैलाने और भयभीत किए जाने की लगातार कोशिश हो रही है।

क्या है मामला

पीएससी में भर्ती परिणामों में गड़बड़ी का आरोप लगाकर बीजेपी अब सड़क पर उतर रही है। बीजेपी का आरोप है कि सीजीपीएससी के रिजल्ट में नेताओं, अधिकारियों और उद्योगपतियों के बच्चों को उपकृत किया गया है। पूरे मामले में पूर्व सीएम रमन सिंह का कहना है कि बड़े बड़े अधिकारियों, नेताओं और उद्योगपतियों के बच्चे ही इस परीक्षा में पास हुए हैं। वहीं रमन सिंह पल्ट को अद्भुत बताया है। सिंह का कहना है कि टॉप 20 में वे लोग आ रहे हैं, जो अद्भुत प्रतिभावान है। पहली बार ऐसा हुआ है कोई अनुसूचित जाति या पिछड़ी जाति का बच्चा पीएससी की पारदर्शिता में उंगली उठाने का काम कर रहा है। लाखों बच्चों का भविष्य खतरे में है।

प्रदेश में आज मनाया जाएगा 'झीरम श्रद्धांजलि दिवस'

सीएम भूपेश बघेल ने झीरम घाटी के शहीदों को किया नमन

रायपुर,24 मई 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल) ने झीरम घाटी में 25 मई 2013 को हुए नक्सल हमले में शहीद नेताओं और जवानों को नमन करते हुए उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। झीरम घाटी के नक्सल हमले में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेन्द्र कर्मा सहित कई नेता और सुरक्षा बलों के जवान शहीद हो गए थे।

झीरम घाटी शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में बघेल ने कहा है कि झीरम घाटी के शहीदों और विगत वर्षों में नक्सल हिंसा के शिकार हुए सभी लोगों की स्मृति में वर्ष 2020 से 25 मई को हर वर्ष 'झीरम श्रद्धांजलि दिवस' मनाया जाता है। प्रदेश के सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों में नक्सल हिंसा में शहीदों की स्मृति में 25 मई को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी तथा राज्य को पुनः शांति का टापू बनाने के लिए शपथ ली जाएगी।

चिटफंड निवेशकों को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

कंपनी की याचिका खारिज

बिलासपुर ,24 मई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में यश ड्रीम इंडिया चिटफंड कंपनी में निवेश करने वाले लोगों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि इस मामले पर अंतिम फैसला दुर्ग न्यायालय द्वारा किया जाएगा। मामले की सुनवाई जल्द ही दुर्ग के कोर्ट में शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि मामला 10 हजार से ज्यादा निवेशकों से जुड़ा है, जिनके डूबे हुए पैसे वापस किए जाने हैं।

बता दें कि यश ड्रीम इंडिया रियल एस्टेट लिमिटेड चिटफंड कंपनी के झांसे में आकर दुर्ग जिले के 10 हजार से अधिक लोगों ने करोड़ों रुपए निवेश किया है। कंपनी ने लोगों से निवेश कराकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की है। इसकी पहले जांच हो चुकी है। अब कंपनी की संपत्ति को कुर्क कर निवेशकों को लौटाया जाना है। शासन के निर्देश पर दुर्ग कलेक्टर ने मामले की जांच कराई।

जांच में धोखाधड़ी साबित होने पर करीब 5 साल पहले ही कंपनी की संपत्ति कुर्क कर राशि लौटाने का आदेश दिया। अंतिम फैसले के लिए दुर्ग न्यायालय में मामला भेजा भी गया था। इधर यश ड्रीम इंडिया चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर ने कार्रवाई पर रोक लगाने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। इसके बाद से मामला अटका रहा। अब हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है।

झीरम कांड पर नेता प्रतिपक्ष चंदेल ने दागे सवाल

जब माओवादी इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे रहे थे,तब मोटरसाइकिल में कौन था ?

रायपुर,24 मई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा राज्य सरकार को हर एक मुद्दे में सदन से लेकर सड़क तक घेरने में लगी हुई है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने झीरम घाटी हमला को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा है कि जब माओवादी इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे रहे थे, तब मोटरसाइकिल में कौन था? जो आज सरकार में मंत्री भी है, वो मोटरसाइकिल से कैसे भागा? सरकार इस बात को सार्वजनिक करें। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब माओवादी इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे रहे थे, तब मोटरसाइकिल में कौन था? जो आज सरकार में मंत्री भी है, वो मोटरसाइकिल से कैसे भागा? सरकार इस बात को सार्वजनिक करे। ये अनेक अंदेशों को जन्म देता है। पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी, उसकी रिपोर्ट आ गई क्या?

30 अगस्त तक पोस्ट ऑफिस में जमा नहीं किया जाएगा 2 हजार के नोट : केंद्रीय डाक महानिदेशालय

रायपुर,24 मई 2023 (ए)। केंद्रीय डाक महानिदेशालय ने देशभर के डाकघरों में 2000 रूपए के नोटों से लेन देन करने पर रोक लगा दी है । यह रोक 30 अगस्त तक रहेगी। महानिदेशालय में सहायक निदेशक टीसी विजयन ने सभी डाक परिमंडल और संभाग के अधिकारियों को निर्देश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि किसी भी स्थिति में दो हजार के नोटों से नगद लेनदेन न की जाए। न ही एक्सचेंज करें। इसी तरह से पोस्ट बैंक के एटीएम में भी दो हजार के नोट न डाले जाएं। डाकघरों में उपलब्ध इन नोटों को बैंकों से बदलवा लें।

सुब्रत साहू को मिला सीएस का प्रभार

रायपुर,24 मई 2023 (ए)। एसीएस सुब्रत साहू को सीएस का प्रभार सौंपा गया है। दरअसल सीएस अमिताभ जैन गुरुवार से पखवाड़े भर के लिए छुट्टी पर जा रहे हैं। जानकारी आ रही है कि जैन अपनी पुत्री की शादी के लिए छुट्टी पर जा रहे हैं।सीएस जैन की पुत्री आदिति की शादी 5 जून को रायपुर में होनी हैं। उनके होने वाले दामाद कमल किशोर यूपी कैडर के आईएएस हैं। बता दें कि कमल किशोर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के रहने वाले हैं। बताया गया कि आदिति सीएस की छोटी पुत्री है।

पावन स्मरण

25 मई, 2013

एक दशक पहले आज ही के दिन झीरम घाटी में नक्सलवादी हमले में माननीय विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, योगेंद्र शर्मा सहित वरिष्ठ नेतागण एवं सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे।

हमारे राजनेताओं, गणमान्य नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा। नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक संघर्ष जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ में शांति, विश्वास, सुरक्षा और खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए हम संकल्पित हैं।

झीरम श्रद्धांजलि दिवस

शहीदों के बलिदान को याद रखेगा छत्तीसगढ़

- भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 37125/75

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)